Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर , वर्ष 19,अंक -64 मंगलवार ,03 जनवरी 2023, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

प्रत्येक व्यक्ति की अच्छाई ही प्रजातंत्रीय शासन की सफलता का मूल सिद्धांत है।
- राजगोपालाचारी-

केंद्र की मोदी सरकार द्वारा वर्ष 2016 में की गई नोटबंदी को लेकर उठे सवालों पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली, 02 जनवरी 2023 । केंद्र की मोदी सरकार द्वारा वर्ष 2016 में की गई नोटबंदी को लेकर उठे सवालों पर सुप्रीम फैसला आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में 1000 रुपये और 500 रुपये के नोटों को अमान्य करने के सरकार के फैसले को सही ठहराया है। कोर्ट ने इसी के साथ नोटबंदी के खिलाफ दायर 58 याचिकाओं को खारिज कर दिया। नोटबंदी के खिलाफ 3 दर्जन से ज्यादा याचिकाओं की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि इसकी प्रक्रिया में कुछ भी गलत नहीं पाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरबीआई के पास विमुद्रीकरण लाने की कोई स्वतंत्र शक्ति नहीं है और केंद्र और

आरबीआई के बीच परामर्श के बाद ही निर्णय लिया गया। न्यायमूर्ति एस ए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच-जजों की संविधान पीठ ने इस मामले पर अपना फैसला सुनाया।

शीर्ष अदालत का यह फैसला न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना द्वारा सुनाया गया। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने इसमें असहमति जताई। पीठ में जस्टिस गवई और नागरत्न के अलावा जस्टिस नजीर ए एस बोपन्ना और वी रामासुब्रमण्यन थे। नोटबंदी को गलत और त्रुटिपूर्ण बताते हुए कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता पी चिदंबरम ने तर्क दिया था कि सरकार कानूनी निविदा से संबंधित किसी भी प्रस्ताव को अपने दम पर शुरू नहीं कर सकती है जो केवल आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश पर किया जा सकता है। बता दें कि नोटबंदी के विरोध में कोर्ट 58 याचिकाओं पर फैसला सुनाएगा। बता दें कि शीर्ष अदालत ने पिछले साल 7 दिसंबर को सरकार और याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले कोर्ट ने केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को निर्देश दिया था कि वे सरकार के 2016 के फैसले से संबंधित रिकॉर्ड दें। मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि आरबीआई के वकील और याचिकाकर्ताओं के वकीलों वरिष्ठ अधिवक्ता पी चिदंबरम और श्याम दीवान की दलीलें सुनी गईं थी।

नोटबंदी पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ओवैसी का तंज

हैदराबाद/दिल्ली, 02 जनवरी 2023। नोटबंदी पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने पीएम मोदी पर तंज कसा। हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने कहा कि मेरा सुझाव है कि पीएम मोदी नोटबंदी दिवस मनाएं, वे अब क्यों नहीं मनाते? ऐसा इसलिए है क्योंकि वे जानते हैं कि नोटबंदी के कारण प्लंबर, ड्राइवर, कलाकार, बिजली मिस्त्री आदि नष्ट हो गए थे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और उनकी सरकार को (नोटबंदी के लिए) सामाजिक और राजनीतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। ओवैसी ने कहा, अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के मुताबिक 50 लाख लोगों की नौकरी चली गई और 100 लोगों की मौत हो गई।

9 घंटे तक ट्रैफिक जाम करने पर 300 अज्ञात वकीलों पर मामला दर्ज

लखनऊ, 02 जनवरी 2023। लगभग 300 अज्ञात वकीलों पर राजमार्ग को अवरुद्ध करने और नौ घंटे से अधिक समय तक पुलिस स्टेशन का घेराव करने का प्रयास करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। मोहनलालगंज पुलिस ने सोमवार को कहा कि वकील उस घटना का विरोध कर रहे थे, जिसमें दो सब इंस्पेक्टरों ने एक वकील को हिरासत में लिया था और उसके साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया था। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) दक्षिण, राहुल राज ने कहा कि अज्ञात अधिवक्ताओं पर दंगा करने, गलत तरीके से रास्ता रोकने, शांति भंग करने और अन्य प्रासंगिक आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है। कई घंटे तक एंबुलेंस समेत राहगीर सड़क पर फंसे रहे।

पीएम मोदी कल 108 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली, 02 जनवरी 2023 । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के पूरे उद्घाटन सत्र का उद्घाटन करेंगे और इसके साक्षी बनेंगे। उद्घाटन समारोह सुबह 9.30 बजे शुरू होगा। इस कार्यक्रम की मेजबानी राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय (ऋक्षस्ह्र) द्वारा अपने अमरावती रोड परिसर में की जा रही है, सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया।

उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाने वाले शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों में महाराष्ट्र के राज्यपाल और महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति, भगत सिंह कोश्यारी, केंद्रीय मंत्री और आरटीएमएनयू शताब्दी समारोह की सलाहकार समिति के अध्यक्ष, नितिन गडकरी, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) शामिल हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान के लिए, जितेंद्र सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, एकनाथ शिंदे, और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस।

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति सुभाष आर. चौधरी और भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए), कोलकाता के महासचिव डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

इस वर्ष इस आयोजन का विषय ÷महिला अधिकारिता के साथ सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी÷ है। सार्वजनिक वार्ता और प्रदर्शनियां आम जनता के लिए खुली हैं। 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के तकनीकी सत्रों को 14 वर्गों में विभाजित किया गया है, जिसके तहत विश्वविद्यालय के महात्मा जोतिबा फुले शैक्षिक परिसर में विभिन्न स्थानों पर समानांतर सत्र आयोजित किए जाएंगे।

इन 14 वर्गों के अलावा, एक महिला विज्ञान कांग्रेस, एक किसान विज्ञान कांग्रेस, एक बाल विज्ञान कांग्रेस, एक जनजातीय बैठक, विज्ञान और समाज पर एक खंड और एक विज्ञान संचारक कांग्रेस होगी।

कंसल गांव में हड़कंप-सीएम भगवंत मान के घर के पास मिला जिंदा बम

चंडीगढ़, 02 जनवरी 2023। हाल ही में चंडीगढ़ के कंसल गांव से बड़ी खबर सामने आ रही है कि, पंजाब के मुख?यमंत्री भगवंत सिंह मान के घर के कुछ दूरी पर आम के बगीचे में जिंदा बम मिला है, जिससे यहां हड़कंप मचा हुआ है। इस दौरान चंडीगढ़ के कंसल गांव में बम मिलने की खबर मिलते ही मौके पर पुलिस बल पहुंची और पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया है एवं चप्पे-चप्पे की छानबीन की जा रही है। तो वहीं पुलिस का कहना है कि, जिंदा बम को जल्द डिफ्यूज किया जाएगा। इसके अलावा चंडीगढ़ पुलिस के सिविल डिफेंस नोडल ऑफिसर कुलदीप कोहली ने यह कहा है कि, %%कंसल और नया गांव के टी-पॉइंट के बीच मे आम के बगीचे में जिंदा बम मिला है। हमने पूरे इलाके को कवर कर लिया है। आर्मी बम स्क्वाड को इसकी जानकारी दे दी गई है। जल्द ही आर्मी बम स्क्वाड यहां पहुंचेगा और बम को डिफ्यूज करेगा। उसके बाद इस पूरे मामले की जांच की जाएगी। हम यह पता लगाएंगे कि आखिर जिंदा बम यहां कैसे पहुंचा।%%

पुलिस और बम निरोधक दस्ते की मदद से बम को सुरक्षित कर लिया गया है। इलाके की घेराबंदी की जा रही है। आगे की जांच चल रही है। तो वहीं, रेस्क्यू टीम के हेड संजीव की ओर से यह बताया गया है कि, %%पुलिस और रेस्क्यू टीम को सूचना मिली थी कि चंडीगढ़ और पंजाब के बॉर्डर एरिया के पास जिंदा बम मिला है। हमारी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और सबसे पहले पूरा इलाका सील कर दिया। हम सैन्य अधिकारियों से लगातार संपर्क में हैं, इस बम को जल्द डिफ्यूज किया जाएगा। यह सामीवर्ती इलाका है और पास में ही वीआईपी लोगों के घर और सचिवालय हैं। इसलिए इस पूरे काम को प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है।%% बता दें कि, जिस क्षेत्र में जिंदा बम मिला है, वह एक उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है और इस क्षेत्र मे पंजाब और हरियाणा सचिवालय और विधानसभा के अलावा हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का भी आवास है।

LG आवास और सुल्तानपुरी पुलिस स्टेशन के बाहर लोगों का प्रदर्शन,फूट रहा लोगों का गुस्सा

नई दिल्ली, 02 जनवरी 2023। दिल्ली में नए साल के पहले दिन हुई एक घटना ने राष्ट्रीय राजधानी को शर्मसार कर दिया। दरअसल, सुल्तानपुरी इलाके में रविवार रात एक स्कूटी सवार महिला को एक कार ने टक्कर मार दी और कई किलोमीटर तक अपने साथ घसीट कर ले गई। कार में 5 युवक सवार थे जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन इस घटना के बाद से ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लोगों ने उपराज्यपाल आवास और सुल्तानपुरी पुलिस स्टेशन के बहार जमकर प्रदर्शन किया। मिली जानकारी के अनुसार, दर्जनों लोग दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के आवास और सुल्तानपुरी पुलिस स्टेशन के बाहर इकट्ठा हुए घटना के जिम्मेदार युवकों को कड़ी सजा देने की मांग की। एलजी के

आवास के दृश्य दिखाते हैं कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस इस घटना को दुर्घटना का मामला मानकर चल रही है।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने एलजी के खिलाफ नारेबाजी की और उनके इस्तीफे की मांग की। जिसको देखते हुए सक्सेना के आवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

एलजी आवास के बाहर आप कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी इस घटना को लेकर उपराज्यपाल के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने दिल्ली एल-जी, पद से इस्तीफा दें और एल-जी ने दिल्ली को जंगल राज बना दिया जैसी तख्तियां ले रखी थीं।दिन से लेकर रात तक, वह अरविंद केजरीवाल के विकास कार्यों को रोकने के लिए केवल एक ही काम करते हैं। एलजी को गंदी राजनीति करने से फुर्सत मिलती तो ऐसा नहीं होता।

राष्ट्रपति मुर्मू राजस्थान राजभवन में कांस्टीट्यूशन पार्क का उद्घाटन करेंगे

जयपुर , 02 जनवरी 2023। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को यहां राजस्थान राजभवन में नवनिर्मित संविधान उद्यान और उससे जुड़े सौंदर्यीकरण कार्यों का उद्घाटन करेंगी. इस मौके पर वह कथोड़ी और सहरिया आदिवासियों से बातचीत भी करेंगी.

राष्ट्रपति मंगलवार को कांस्टीट्यूशन पार्क का उद्घाटन करने से पहले मयूर स्तंभ, ध्वज स्तंभ, गांधी प्रतिमा और महाराणा प्रताप की प्रतिमा का दौरा करेंगे. राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री शांति धारीवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे.

राज्यपाल की अभिनव पहल पर राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां आम लोगों में संवैधानिक जागरूकता पैदा करने के लिए राजभवन में संविधान उद्यान स्थापित किया गया है। मिश्रा, गहलोत और जोशी ने 26 जनवरी, 2022 को संविधान उद्यान की आधारशिला रखी।

सास अपने दामाद के साथ भागी

सिरोही, 02 जनवरी 2023। राजस्थान के सिरोही जिले से अजीबोगरीब मामला सामने आया. नए साल से ठीक पहले दिन यहां एक चार शादीशुदा बच्चों की मां अपने 27 वर्षीय दामाद के साथ भाग गई. सास को भगाने वाले दामाद के भी तीन बच्चे हैं. सिरोही पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सास और दामाद के बीच प्यार का सिलसिला ऐसा चला की लाज-शर्म, बच्चों की जिम्मेदारी सब छोड़ प्रेमी युगल घर से भाग गया. यह भी सामने आया कि दामाद ने अपनी सास को भगाने से पहले ससुर को जमकर शराब पिलाई थी. ससुर के नशे में धुत होने के बाद सास और दामाद घर से भाग निकले. सिरोही पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद 4 शादीशुदा बच्चों की मां के प्रेमी संग भागने की खबर आग की तरह फैल गई, लेकिन जब पता चला कि महिला को घर से भगाने वाला कोई

और नहीं उसका दामाद ही निकला तो लोगों हैरान रह गए.

यह पूरा घटनाक्रम सिरोही जिले के अनादरा थाना क्षेत्र के सियाकरा गांव का है. सियाकरा के रहने वाले रमेश पुत्र नेकाराम पाउवा जोगी ने इस घटना के बाद अनादरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है. इस रिपोर्ट में बताया है कि उसकी लड़की किसना की शादी नारायण पुत्र रूपा जोगी निवासी मामावली के साथ हुई थी. शादी के बाद उसकी लड़की और जमाई नारायण उसके घर आते जाते रहते थे. 30 दिसंबर 2022 को नारायण सियाकरा आया हुआ था. उसी दौरान ससुर रमेश और दामाद नारायण दोनों ने शराब पार्टी भी की, उसी शराब पार्टी का फायदा उठाकर दामाद अपनी सास को लेकर फरार हो गया. महिला के पति ने बताया कि 30 दिसंबर की शाम 4 बजे उसकी नींद खुली तो नारायण और उसकी पत्नी घर से गायब थे. इधर-उधर तलाश किया गया, लेकिन दोनों वहां से भाग चुके थे. रमेश ने दामाद पर आरोप लगया है कि उसकी पत्नी को उसका जमाई बहला-फुसलाकर भगाकर लेकर गया है. रमेश की शिकायत पर अनादरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

बीएसएफ ने 1 किलो हेरोइन के साथ आईबी ने एक और पाक ड्रोन किया जब्त

नई दिल्ली, 02 जनवरी 2023। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने सोमवार को गुरदासपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में ड्रग्स ले जा रहा एक पुराना टूटा पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है. पंजाब के सेक्टर गुरदासपुर में बीओपी कोसोवाल के तहत अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र से 2 किलोमीटर की दूरी पर ड्रोन लगभग एक किलोग्राम हेरोइन ले जा रहा था।

पुराना टूटा हुआ हेक्साकॉप्टर ड्रग्स ले जा रहा था

बीएसएफ, जो 3,323 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा की रखवाली के लिए जिम्मेदार है, ने कहा कि यह एक ÷पुराना टूटा हुआ÷ ड्रोन (हेक्साकॉप्टर) था, जो गुरदासपुर में सीमा चौकी कोसोवाल के तहत अंतरराष्ट्रीय सीमा से दो किमी की दूरी पर पाया गया था।

÷2 जनवरी, 2023 को, एक पुराना टूटा हुआ पाक ड्रोन (हेक्साकॉप्टर) खेप (लगभग 1 किलो हेरोइन) के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से 2 किमी की दूरी पर बीएसएफ के जवानों द्वारा बीओपी कोसोवाल, सेक्टर गुरदासपुर के एओआर में बरामद किया गया है,÷ बीएसएफ ने एक बयान में कहा।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल जो कि गृह मंत्रालय के तहत काम करता है और अवैध सीमा पार गतिविधियों को रोकने के लिए पाकिस्तान के साथ सीमा की रक्षा करने के लिए बाध्य है, ने कहा कि क्षेत्र में किसानों द्वारा सोमवार को दोपहर 1 बजे ड्रोन के बारे में सूचना दी गई थी। .

बीएसएफ ने एक संदर्भ साझा करते हुए कहा कि पिछले साल 31 दिसंबर को रात करीब 10 बजे कासोवाल सीमा चौकी में उसके सीमा प्रहरियों ने एक ड्रोन घुसपैठ का पता लगाया था।

पिछले साल बीएसएफ द्वारा ढेर किए गए ड्रोन की संख्या

2022 में, बीएसएफ ने सफलतापूर्वक 22 ड्रोन का पता लगाया और कब्जा कर लिया और 316.988 किलोग्राम हेरोइन, 67 हथियार और 850 राउंड जिंदा कारतूस जब्त किए, दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया और पंजाब फ्रंटियर में अलग-अलग घटनाओं में 23 पाकिस्तानी नागरिकों को पकड़ा।

2021 में 104 की तुलना में इस वर्ष 23 दिसंबर तक ऐसे मानव रहित एरियल वाहनों (यूएवी) के 311 निरीक्षणों के साथ भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन देखे जाने की घटनाओं में तीन गुना वृद्धि हुई है। 2020 में जब पाकिस्तान सीमा पर 77 यूएवी देखे गए- सीमा पार से हथियारों और गोला-बारूद के साथ-साथ ड्रग्स की तस्करी के लिए एक प्रमुख स्रोत का इस्तेमाल किया जा रहा है।

ड्रोन देखा गया, जो मुख्य रूप से पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में देखा गया, अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 2-10 किमी की सीमा के भीतर थे।

1 जनवरी, 2020 से इस साल 23 दिसंबर तक भारत-पाकिस्तान सीमा पर देखे गए कुल 492 यूएवी या ड्रोन में से इस साल 311 ड्रोन देखे गए, 2021 में 104 और 2020 में 77 ड्रोन देखे गए, डेटा एक्सेस किया गया एएनआई।

देखे गए कुल ड्रोन में से 369 यूएवी पंजाब में देखे गए, इसके बाद इसी तरह के 75 जम्मू में, 40 राजस्थान में और आठ गुजरात में देखे गए।

पंजाब में सबसे ज्यादा ड्रोन स्पॉटिंग

पंजाब में सबसे ज्यादा 164 ड्रोन अमृतसर में, 96 गुरदासपुर में, 84 फिरोजपुर में और 25 अबोहर जिलों में देखे गए। जम्मू फ्रंटियर के तहत, इंद्रेश्वर नगर में कुल 35, जम्मू में 29 और सुंदरबनी में 11 ड्रोन देखे गए। राजस्थान में, श्री गंगानगर में 32, बाड़मेर में सात, बीकानेर और जैसलमेर उत्तर में तीन-तीन, जैसलमेर दक्षिण में दो और भुज में एक ड्रोन देखा गया।

डेटा में यह भी कहा गया है कि इस साल 1 जुलाई से 23 दिसंबर के बीच कुल 206 ड्रोन देखे गए। इनमें से अधिकतम 45 ड्रोन अगस्त में देखे गए, इसके बाद 44 सितंबर, 38 अक्टूबर, 36 नवंबर, 24 दिसंबर और 19 जुलाई को देखे गए। इनमें अमृतसर में 60, फिरोजपुर में 55, गुरदासपुर में 39, अबोहर में 23 ड्रोन देखे गए। श्री गंगानगर में 10, इंद्रेश्वर नगर में छह, जम्मू में पांच, बाड़मेर में तीन, जैसलमेर उत्तर में दो और बीकानेर में एक।

बीएसएफ के अधिकारियों ने एएनआई को बताया कि पाकिस्तान की ओर से अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार हथियारों, विस्फोटकों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए पाकिस्तान की ओर से ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

संपादकीय

बड़ी घोषणाओं की समयी सीमा समाप्त!

साल 2022 समाप्त हो गया और इसके साथ ही केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से घोषित तमाम बड़ी योजनाओं और तमाम बड़े वादों की समय सीमा भी पूरी हो गई। लेकिन कोई भी घोषणा या कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ। आमतौर पर राजनीतिक दलों और सरकारों की घोषणाएं पूरी नहीं होती हैं लेकिन पहले की सरकारों और मौजूदा सरकार में फर्क यह है कि पहले पार्टियां और सरकारें अमूर्त रूप से घोषणाएं करती थीं। जैसे गरीबी हटाओ! यह नहीं कहा गया था कि गरीबी कब तक हटेगी। लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार ने हर वादा पूरा करने के लिए एक समय सीमा दी थी। एक निश्चित तारीख बताई थी और वह तारीख गुजर गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सितंबर 2018 में कहा था कि अगले चार साल में यानी 2022 तक भारत पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। हालांकि कोरोना महामारी के बाद से उन्होंने इस बारे में कुछ भी कहना बंद कर दिया और उनकी पार्टी के नेताओं ने समय सीमा आगे बढ़ानी शुरू कर दी है। लेकिन 2022 खत्म हुआ तो यह ध्यान आया कि इसी साल भारत की अर्थव्यवस्था पांच खरब डॉलर की होने वाली थी, लेकिन अभी तक देश की अर्थव्यवस्था तीन खरब डॉलर के थोड़ा ऊपर जाकर अटकी हुई है।

प्रधानमंत्री ने जून 2018 में कहा था कि 2022 तक देश के किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी। यह बात उन्होंने पहले भी कही थी और उसके बाद भी वे और उनकी पार्टी इसे दोहराते रहे थे। हालांकि पिछले एक-दो साल से इसका भी जिक्र बंद है। अब साल खत्म हो गया। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई उलटे कृषि लागत दोगुनी या उससे ज्यादा हो गई।

प्रधानमंत्री ने कोई चार साल पहले कहा था कि भारत में 2022 तक बुलेट ट्रेन चलने लगेगी। खाड़ी के देश ओमान में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह समय सीमा घोषित की थी। हकीकत यह है कि अभी महाराष्ट्र में शिव सेना के शिंदे गुट की भाजपा समर्थित सरकार जमीन अधिग्रहण का काम कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार में आने के थोड़े दिन बाद ही महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया था। उन्होंने कहा था कि 2022 में जब देश आजादी की 75वीं सालगिरह मना रहा होगा तब देश के हर आदमी के सिर पर अपनी पक्की छत होगी यानी हर परिवार को पक्का मकान आवंटित हो जाएगा। वह समय सीमा भी समाप्त हो गई और करोड़ों परिवार अब भी बिना आवास के हैं। उन्होंने सितंबर 2015 में कहा था कि 2022 तक देश के हर घर को 24 घंटे बिजली मिलने लगेगी। उसकी मियाद भी पूरी हो गई और भारत अभी हर घर को 24 घंटे बिजली देने के लक्ष्य से बहुत दूर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने वादा किया था कि आजादी के अमृत वर्ष यानी 2022 में भारत माता की कोई संतान अपने यान से अंतरिक्ष में जाएगी। अगर यह लक्ष्य पूरा होता तो ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन जाता। लेकिन 2022 का साल खत्म हो गया और अंतरिक्ष में किसी भारतीय को भेजने की योजना पूरी नहीं हुई।

सजदा

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

तेरे दर से गुजरती राहों को सज़दा मेंरा
तेरी ख़ामोश सी निगाहों को सज़दा मेरा
वो हवाएं वो फिजाएं वो सुहाना मंज़र
वो वादियां वो धूप छाहों को सज़दा मेंरा
तेरा सरापा तेरे प्यार का हसीं सागर
तेरे आगोश की पनाहों को सजदा मेरा
साथ चलने का वो वादा वो ख़यालो का सफर
बिखरती ख्वाहिशों की आहों को सज़दा मेरा
जल रही है शमां चराग भी उधर रौशन
पिघलती रूह की कराहों को सजदा मेरा

मयखाना

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी,
उत्तरप्रदेश

साक़ी तेरा आबाद रहे मयख़ाना
हम बर्बादों को याद रहे मयख़ाना
दुनिया भर के रंज-ओ-पेंच-ओ-ख़म से
बस यूँ ही आज़ाद रहे मयख़ाना
दिल के मारों दिलजले ज़माने का
बना कोई इमदाद रहे मयख़ाना
बेक़दरों नाशुक़रों के जहान में
लबों सजी फ़रियाद रहे मयख़ाना
गीत- हमारे बादा-कशी लिए
लफ़्ज़ों वाला ज़ियाद रहे मयख़ाना

फासला

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
134 , राधापुरम
होशंगाबाद रोड भोपाल
मध्यप्रदेश

के फिर हम मिल भी न सके,फासला न इतना हो।
बने सबब रुसवाई का,सिलसिला न इतना हो।
जुदा जुदा होना हरेक के ख्यालात ये आम बात है,
रंजिशों का आगाज हो,कोई मसअला न इतना हो।
आओ के मिल के दूर करे सारे शिकवे शिकायत,
के हम भी हो पशेमां,अब कोई गिला न इतना हो।
ताउम्र हम खुद को ही देते रहे तंहाई की सजा,
तंज न कसो,के जहर भरा जुमला न इतना हो।
अंधेरे भी जरूरी है,जहाँ को आजमाने के लिए,
अपना साया भी साथ न हो,उजाला न इतना हो।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जन-जन को जोड़ने में सहायक होगी नई नीति

उपलब्धियों और नवाचारों का एक वर्ष

आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, सामाजिक विकास और सुशासन में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार यानि एसटीआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति-2022 का लोकार्पण किया है। लोकार्पण के साथ ही मध्यप्रदेश अपनी विज्ञान-प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति लागू करने वाला देश का 5वां राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पित नीति के साक्षी भारत सरकार के नीति आयोग के सदस्य, प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार सहित देश के अनेक वैज्ञानिक बने। जन-जन को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नवाचारों से जोड़ने में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नीति का उद्देश्य प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर उद्यम एवं नवोन्मेष करने वाले पारिस्थितिकी-तंत्र को विकसित करना है। यह नीति नागरिकों, उद्यमों और सरकार को एक समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए सहयोगी नवाचार करने में सक्षम बनाना है। साथ ही आत्म-निर्भर भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होना है।

नीति की प्राथमिकताएँ-विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार पारिस्थितिकी-तंत्र की रचना, अनुसंधान और विकास, क्षमता बढ़ाना एवं कौशल विकास, सुशासन में उपयोग, पारिस्थितिकी तंत्र के लिए डाटा उपलब्ध कराना एवं उत्कृष्ट संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित करना है।

पारिस्थितिकी-तंत्र की रचना के लिए शिक्षा के प्रारंभिक चरण से विज्ञान एवं गणित विषय को विद्यार्थियों में लोकप्रिय कर माध्यमिक एवं स्नातक स्तर पर एसटीईएम विषयों का प्रसार बढ़ाने हेतु रोमांचक प्रतियोगिता का आयोजन, जिला स्तरीय युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, नवाचार प्रतियोगिता और चलित विज्ञान प्रदर्शनियों से विद्यार्थियों एवं जन-साधारण को प्रेरित करना है।

विज्ञान को लोकप्रिय करने की दिशा में विद्यार्थियों, युवाओं और जन-सामान्य को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जिज्ञासु बना कर विज्ञान सीखने की लालसा पैदा करना है। सरकार नीति के तहत छात्र विज्ञान मंच स्थापित कर वीडियो, गाईड एवं किट के जरिये विज्ञान के प्रयोग, मल्टीमीडिया सामग्री से वैज्ञानिक अवधारणा को समझाने, विज्ञान मेले, प्रर्दशनी एवं संगोष्ठी के बारे में जानकारी देने आदि कार्य करेगी।

विद्यार्थियों के साथ पर्यटकों एवं आमजन में विज्ञान के बारे में अभिरूचि जगाने के लिए विज्ञान आधारित शैक्षणिक और मनोरंजक विज्ञान केन्द्र बनाने के लिए विज्ञान पार्क बनाए जायेंगे, जिनमें विज्ञान अवधारणाओं को बताने वाली दीघाएँ, आविष्कार गैलरी, तारामंडल आदि पारम्परिक एवं आधुनिक भारतीय वैज्ञानिक प्रदर्शनी और अत्याधुनिक थियेटर शामिल होंगे।

नीति के उद्देश्यों को हासिल करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास जरूरी है। इसमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, नवकरणीय ऊर्जा, फिनटेक, जल-संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है। इस पर होने वाले खर्च को वहन करने के लिए निजी उद्यमियों को प्रोत्साहित करना है। जरूरी होने पर शासन द्वारा भी यह खर्च वहन किया जाएगा।

नीति में पारम्परिक ज्ञान, विरासत एवं नवाचार के लिए अनुसंधान एवं विकास पर बल दिया गया है। राज्य स्तरीय पारम्परिक ज्ञान संग्रह विकसित किया जाएगा, जो पारम्परिक ज्ञान, जनजातीय औषधियों एवं प्रथाओं का दस्तावेजीकरण, सत्यापन और प्रचार करेगा। नीति में जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्या से निपटने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी समाधानों के उपयोग करने की सिफारिश है। इसके लिए इलेक्ट्रिक वाहनों एवं अक्षय और सोलर ऊर्जा के उपयोग पर बल दिया जाएगा। नीति में सुशासन में भी विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में बदलाव की सिफारिश की गई है। अभी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, 5त्न मोबाईल प्रौद्योगिकी, इंटरनेट ऑफ थीग्स, ब्लाकचेन, ड्रोन, रोबोटिक्स आदि का उपयोग शासकीय और सामाजिक कार्यों में तेजी से बढ़ा है। नीति में इनके अनुप्रयोग की सिफारिश है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार संबंधी यह नीति विभिन्न विभागों के आपसी सामंजस्य एवं सकारात्मक पहल से प्रदेश के चौतरफा सामाजिक-आर्थिक विकास में फलदायी सिद्ध होगी।

शी जिनपिंग लगातार सत्ता में तीसरी बार,भारतीय संदर्भ में नफा,नुकसान

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

द रिपब्लिकन ऑफ चाइना के मुखिया सी जिनपिंग अब अपनी सत्ता के तीसरे दौर में पहुंच चुके हैं। चीन की बागडोर फिर पहले से ज्यादा ताकतवर सी जिनपिंग ने संभाल रखी हैद्य पड़ोसी देश होने के नाते भारत पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ने वाला हैद्य वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी कि लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल में चीन की गतिविधियां विगत एक वर्ष से लगातार भारत को बेचैन करने वाली रही है, अब शी जिनपिंग के फिर से चीन के सदर हुक्मरान होने से ना सिर्फ भारत की विदेश नीति बल्कि अमेरिका, रूस, पाकिस्तान, श्रीलंका, उत्तर, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, तालिबान और अन्य पड़ोसी देशों पर भी इसका प्रभाव ज्यादा पड़ने वाला है। शी जिनपिंग के फिर से सत्ता में आने तथा उनकी आक्रामक नीति का असर भारत चीन संबंधों पर निश्चित तौर पर पड़ेगा, क्योंकि भारत चीन के साथ लगभग 3500 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा लगी हुई है। यह सीमा जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश से होकर गुजरती है, और दोनों देशों के बीच कभी भी सीमा का निर्धारण नहीं हो सकता है। सीमा निर्धारण के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा बनाई गई है पर इस वास्तविक नियंत्रण रेखा का कोई अपना बहुत गहरा प्रभाव नहीं है। शी जिनपिंग के विस्तार वादी मंसूबों और उसकी आक्रामक शैली के कारण सीमा पर विवाद बढ़ने की संभावना नजर आती है, यह तो तय है कि दोनों देश युद्ध नहीं करना चाहेंगे। भारत ने चीन की सीमा कानून को एक सिरे से खारिज कर उसकी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कड़ी निंदा की है। अब सी जिनपिंग की तीसरी पारी में भारत को यह बात खटक रही होगी कि चीन की वास्तविक नियंत्रण रेखा यथा स्थिति बदलने के कदम को सही ठहराने के लिए सीमा कानून नियम का उपयोग न करें, इसके अलावा दक्षिण चीन सागर तथा हिंद महासागर में चीन तथा अमेरिका के बीच सामरिक टकराव बढ़ने की आशंका है। शी जिनपिंग के फिर से सत्ता में आने से अमेरिका के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है क्योंकि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के पास 8 लाख सक्रिय सैनिक हैं, चीन ने सेना में खर्च होने वाला बजट भी 4 गुना कर दिया है, ऐसे में चीन आगामी वर्षों में ताइवान को अपने कब्जे में लेने का प्रयास करेगा। ताइवान की आजादी के लिए अमेरिका कृतसंकल्पित एवं कटिबद्ध है और यदि चीन ताइवान की आजादी में खलल डालने का प्रयास करेगा तो अमेरिका पीछे नहीं हटने वाला,फल स्वरूप चीन और अमेरिका में तनाव बढ़ने की पूरी संभावना है। चीन पहले से ही उत्तर कोरिया के मिसाइल कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने में लगा हुआ है ऐसे में अमरीकी प्रशासन के लिए यह विषय चिंता का होगा। शी जिनपिंग के फिर से सत्ता में आने से चीन, तालिबान, पाकिस्तान गठबंधन मजबूती प्राप्त कर वैश्विक शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन सकते हैं एवं आतंकवाद को नई बयार मिलने की संभावना है। म्यानमार में पहले से ही लोकतंत्र का गला दबाया जा चुका है। उत्तर कोरिया की सैन्य हुकूमत ने म्यानमार में तानाशाही हुकूमत काबिज करके रखी है। शी जिनपिंग के ताकतवर होने से जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ी जा रही लड़ाई काफी कमजोर पड़ सकती है क्योंकि जिनपिंग जलवायु परिवर्तन को लेकर बहुत ही नकारात्मक रवैया अपनाए हुए हैं, जिनपिंग ग्लॉसको में हुए जलवायु परिवर्तन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए ना तो खुद गए ना ही अपना प्रतिनिधि ही भेजा, यह सर्वविदित है कि चीन दुनिया का सबसे बड़ा प्रदूषण फैलाने वाले देशो में से एक देश है,और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिनपिंग चीन को दुनिया से अलग-थलग कर वहां तानाशाही का शासन लागू कर देगा। चीन के नागरिक केवल चीन देश के होकर रह जाएंगे। उन्हें बाहरी दुनिया के संपर्क में आने का अधिकार भी नहीं होगा। कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर भी यही हाल रहा है, चीन की खबरें कभी भी अंतरराष्ट्रीय मीडिया पर खुलकर नहीं आ पाई हैं। शी जिनपिंग अब एक तानाशाह शासक की तरह पेश आएंगे और चीन पूरी तरह से स्व केंद्रित हो जाएगा।

लघुकथा

आखिर क्यों ?

टीकेश्वर सिन्हा
घोटिया-बालोद,छत्तीसगढ़

सौतेली माँ के दुर्व्यवहार की पीड़ा झेलती किरण एक शहर में ससुराल आई। सीधा-सादा पति तो मिला; पर सास-ननद की एक खतरनाक जोड़ी से उसका पाला पड़ा। वैसे पति से कोई शिकायत नहीं थी; क्योंकि बचपन में उसने पिता नाम का एक पुरुष देखा था। ससुराल में मिली गरीबी की दंश से बचने के लिए किरण दूसरे के घर काम करने जाने लगी।

फिर यहाँ मालकिन रूपी एक विषैली औरत की फुँकार सुनने को मिलने लगी- आओ महारानी। अभी तुम्हारा समय हुआ। देखो, अभी कितना काम पड़ा। कौन करेगा यह सब ? पेमेंट किसका लेती हो आखिर ? एडवांस ही एडवांस चलता है तुम्हारा। किरण एक शब्द नहीं बोली। चुपचाप अपने काम लग गयी।

उसे समय का पता ही नहीं चला। रात हो गयी। आठ-साढ़े आठ हो गया। घर लौटते वक्त मालकिन ने आखिर सुना ही दिया- अगर आना होगा तुम्हें, तो सुबह छः बजे आ जाना; वरना कहीं और जगह काम देख लेना। फटाक.... से दरवाजे की आवाज किरण के कानों पर पड़ी।

अपने घर पहुँचते तक अंतरात्मा से घायल किरण असमंजस में पड़ गयी। उसके अंदर एक ही बात चल रही थी कि नारी ही नारी का शोषण क्यों करती है ? आखिर क्यों... आखिर क्यों...?

पुरुष क्यूँ नहीं बदलते स्त्री के लिए

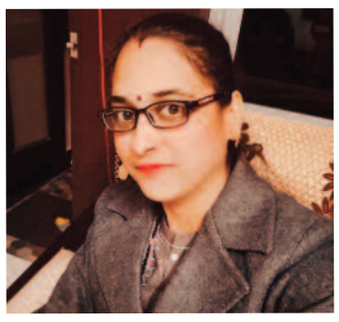

पूजा गुप्ता,
मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश

सुंदर प्रेमिका, परंपरावादी पत्नी, कमाऊ सहचरी, नाइट पार्टी क्लब में अपने रूप का जादू बिखेरती पार्टनर स्त्री को लेकर पुरुष की अपेक्षाओं की लिस्ट बहुत लंबी है लेकिन जब स्त्री की शर्तों पर खुद को बदलने की बात आती है तो इसके लिए वह तैयार नहीं हो पाते हैं। इस मामले में ज्यादातर शिकायतें औरतों की ही रहती है क्योंकि तकलीफ भी उन्हीं को ज्यादा होती है आज जबकि ज्यादातर घरों में औरतें फाइनेंशियल इमोशनल सारे काम संभाल नहीं है इसके बावजूद उनकी स्थिति पहले जैसी बल्कि पहले से बदतर हो गई है उसकी अतिरिक्त जिम्मेदारियों को तो पुरुष स्वीकारता है बाहरी दुनिया में उसे मॉडर्न अप्रोच भी रखता है लेकिन जहां घर की बात आती है तो उसे वैसे ही पारंपरिक पत्नी चाहिए जैसे उसकी मां थी इसके अलावा पुरुष की हमेशा से यही धारणा रही है कि यह सारी जिम्मेदारियां संभालना औरत की नैतिक जिम्मेदारी है औरतें इन तमाम जिम्मेदारियों का लाइसेंस लेकर पैदा होती है पुरुष स्त्री का अस्तित्व स्वीकार नहीं करता वे भूल जाते हैं कि स्त्रियों का भी अपना महत्व है वैल्यू है इन्हें उनकी कोई परवाह नहीं होती ज्यादातर महिलाएं यही शिकायत करती है कि उनके पति उनके एहसास को नहीं समझते घर परिवार की जिम्मेदारी अपने कंधों पर नहीं उठाते और अपनी उपेक्षा के चलते तमाम जिम्मेदारियों से कुंठित होकर ही कई महिलाएं आत्महत्या अल्कोहल और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर जैसे कदम उठाती है तलाक के अधिकतर मामलों की वजह भी यही है माना पुरुषों की मानसिकता में बदलाव आया है लेकिन अभी भी वही बदलाव की जरूरत है आज का पुरुष इस पारंपरिक धरने से उबर नहीं पाया है घर परिवार की जिम्मेदारी केवल स्त्री का कर्तव्य है वही मानता आया है भले ही स्त्री ने उनके साथ मिलकर बाहर के तमाम जिम्मेदारियां अपने सर ले ली है लेकिन फिर भी पुरुष घर के कामों में हाथ बढ़ाने के लिए तैयार नहीं होते पुरुष हमेशा से स्त्री में प्रेमिका पत्नी मां के कई भूमिकाएं ढूंढता है लेकिन उसके लिए वह सिर्फ पुरुष ही बना रहना चाहता है और कुछ भी नहीं।

पुरुष हमेशा अपनी बात मनवाने की ज़िद अपने विचार अपनी इच्छा इलाज कर स्त्री को नियंत्रण में रखने की फितरत आज भी उसी तरह बरकरार है ऐसे कपड़े मत पहना करो! तुम्हारा देर रात तक बाहर रहना मुझे पसंद नहीं! क्या बार-बार मायके की रट लगाती हो! अपने दोस्तों की मंडली जरा कम रखो! तुम्हें नौकरी छोड़नी होगी! हर बात हर हरकत में सिर्फ और सिर्फ आदेश ही होता है जो पूरी तरह से संकुचित होता है और पत्नी के मामले में तो और भी ज्यादा संकुचित सोच का होता है भले वह पत्नी को प्रेम करें लेकिन उस पर अधिकार भी उतना जताना चाहता है वह क्या पहने, किस से मिलना जुलना रखें, कितने समय तक घर पहुंच जाए, भले ही कहने के तरीके अलग-अलग हो पर इनमें कहीं ना कहीं अधिकार जताने की भावना भी नहीं होती है बहुत ही कम पुरुष होते हैं जो स्त्री के व्यक्तित्व का आदर करते हैं कई मामले में तो सिर्फ स्वार्थ सिद्धि ही सर्वोपरि माना जाता है मैं पत्नी को बाहर कमाता हुआ देख सकता है पर पत्नी के द्वारा कमाई हुई रकम पर उसका लोभ ज्यादा होता है तब पैसों का लालच पुरुष अहम के आड़े नहीं आता कई बार तो घर बाहर के काम को लेकर तनाव पत्नी के मायके वालों दोस्तों को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाने से इनकार संयुक्त रूप से खरीदी हुई चीज पर एकाधिकार जैसे तमाम मुद्दों को लेकर टकराव शुरू होता है और स्थिति तलाश तक भी पहुंच जाती है यदि दोनों ने एक नौकरी पेशा है तो बच्चे को रिश्तेदार के घर पहुंचाने घर के कामकाज बच्चे की देखभाल पति की जरूरत है सारा कुछ स्त्री के जिम्में आ जाता है और उसकी खीज व कुढ़न उसके व्यवहार में दिखाई देने लगती है जो पति बर्दाश्त नहीं कर पाते और रिश्तें बिखरने लगते हैं किसी के लिए बदलना या दूसरे को अपने मन मुताबिक बदलने के लिए मजबूर करने से कहीं बेहतर है आपसी समझ एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना एक दूसरे की व्यक्तिगत मानसिक शारीरिक स्वतंत्रता का आदर ज्यादा जरूरी होना चाहिए ना की किसी प्रकार का कोई घमंड फिर जहां प्यार है वहां बदलाव समर्पण जैसी बातें खुद ब खुद व्यवहार में आने लगती है और प्यार के बीच अहम के पनपने की गुंजाइश नहीं रह जाती।

मां-बाप से बेहतर आपकी खुशी कोई नहीं चाह सकता ?

मां -बाप से बेहतर आपकी खुशी कोई नहीं चाह सकता। अब समय आ गया संभल कर चलने का। संभल कर रहने का, चारों तरफ गिद्ध नजरे गड़ाए खड़े हैं ।यह तुम्हें देखना है कि इनकी नजरों से खुद को कैसे सुरक्षित करें।

हालांकि सभी ऐसे नहीं होते ।परंतु कोई भी रिश्ता निभाने से पहले अपने माता-पिता से जरूर पूछ लेना चाहिए।उनके पास वर्षों का अनुभव होता है। तुम्हारा अच्छा- बुरा उनसे बेहतर कोई नहीं जान पाएगा और तुम्हारे लिए कौन कैसा साबित होगा उनकी पारखी नजरों से बच नहीं पाएगा। हालांकि ऐसा नहीं है कि अभिभावक मानेंगे नहीं उन्हें भी अपने बच्चों की खुशी का पता है । बस उनका तरीका अलग है। जब तुम उनके सामने एक बेहतरीन जीवन साथी लाओगे भले ही एक बार मना कर दे पर कुछ समय के बाद मान भी जाएंगे ।उन्हें समय चाहिए क्योंकि उन्हें भी तो अपनी जांच- पड़ताल करनी होती है ।अगर नहीं मान रहे तो उनके पीछे का कारण पहचानो। पूछो शायद ठीक हो अगर गलत समझ रहे हैं तो समझाए ।जिसने जीवन के इतने कष्ट सहन कर आपको पाला- पोसा भला कैसे वे आपका बुरा चाहेंगे। बस वे चाहते हैं हमारे बच्चों का जीवन खराब नहीं हो। आपकी खुशी में ही उनकी खुशी है वह सिर्फ और सिर्फ आपको खुश देखना चाहते हैं ।आजकल यह बात आम हो गई है कि बच्चे आराम से बोल देते हैं यह हमारा जीवन है हम अपने हिसाब से जिएंगे ।परंतु जिन्होंने आप को जन्म दिया आपको पाला- पोसा उनका भी तो कुछ हक है आप पर ।भला कौन ऐसा मात-पिता है जो अपने बच्चों का जीवन बर्बाद कर देगा ।उन्हें कष्ट दे देगा। हमेशा आपका भला ही चाहेंगे ।

उन्होंने तुम्हें बचपन से देखा है।पढ़ा-लिखा कर अच्छा जीवन इसलिए दिया है ताकि आगे का भविष्य भी आपका सुखद रहे । आप जीवन में ऊंचाइयों तक जाओ। आपकी खुशी के लिए वह हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्हे चाहे कितना ही कष्ट क्यों ना सहन करना पड़े उनका मकसद होता है कि आपकी खुशी सर्वप्रथम हो। उन्होंने जीवन में जो कड़वे अनुभव सहन किए हैं बस उन्हीं से आप को दूर रखना चाहते हैं।

वे नहीं चाहते उनके बच्चे जीवन में दुखद अनुभव से गुजरे और उनके जीवन में उदासी छाए। माता-पिता यही चाहते हैं हमारे बच्चे का आगे का जीवन बहुत ही खुशहाली और प्रेम -पूर्वक से बीते। इसलिए हमेशा वे एक ऐसे रिश्ते में आपको जोड़ना चाहते हैं जो आपके जीवन को सुखमय खुशहाल बनाएं ।बाकी सब का समझने का नजरिया अलग - अलग होता है ।

सीमा रंगा
इन्द्रा,हरियाणा

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

नशीले इंजेक्शन व कॅफ सिरप के साथ 2 अंतर्राज्यीय व 2 स्थानीय तस्कर गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस ने 2 अलग-अलग मामले में भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन व कॅफ सिरप के साथ 2 अंतरराज्यीय व 2 स्थानीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। अंतर्राज्यीय तस्करों के पास से पुलिस ने 1750 नग नशीले इंजेक्शन व 160 नग नशीले काफ सिरप के साथ पिकअप वाहन को जब्त किया है। कुल कीमत 8 लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में पुलिस ने बाइक सवार दो स्थानीय तस्करों के पास 145 नग नशीले इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

इस मामले का खुलासा करते हुए आईजी राम गोपाल गर्ग व एसपी भावना गुप्ता ने बताया कि सरगुजा में नशे के विरूद्ध अभियान नवा बिहान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत नव वर्ष पर शहर में नशीले पदार्थों की धरपकड़ हेतु एएसपी विवेक शुक्ला, एसडीओपी खिलेश कौशिक, प्रशिक्षु डीएसपी डॉ. प्रशांत देवांगन एवं थाना प्रभारी गांधीनगर कलीम खान को निर्देश दिए गए थे। 1 जनवरी की रात को गांधीनगर पुलिस को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की झारखंड के गढ़वा से काफी मात्रा में नशीले पदार्थ लाकर खपाने की तैयारी तस्करों द्वारा की जारी है। सूचना पर पुलिस ने झारखंड सेर आने वाले सभी मार्गों पर पुलिस बल तैनात कर चौकसी बढ़ा दी गई एवं वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। देर रात को झारखंड से उत्तरीप्रदेश होते हुए लटोरी मार्ग से आते पिकअप क्रमांक जेएच 03 क्यू 0259 को चठिरमा बैरियर के पास रोका गया पर पुलिस को देख वाहन चालक वाहन लेकर भागने की कोशिश की पर पुलिस ने

उसे पकड़ कर पूछताछ की तो वाहन चालक व सह चालक द्वारा कोई ठोस जवाब नहीं दिया गया। पिकअप चालक व सह चालक द्वारा पुलिस को देख कर भागे जाने की कोई ठोस जवाब नहीं देने पर पुलिस ने जब वाहन की तलाशी ली तो तीन कार्टून मिले। कार्टून में 1750 नग नशीले इंजेक्शन व 160 नग नशीले कफ सिरप पाया गया। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक झारखंड के गढ़वा जिले के ग्राम नवाडीह निवासी नवलेशधर दुबे व सह चालक झारखंड के गढ़वा जिल के ग्राम टांगरडीर निवासी कपिलदे पासवान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन,नशीले इंजेक्शन व काफी सिरप को जब्त किया है। कुल कीमत 8 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। वहीं दूसरे मामले में पुलिस ने डिगमा मेन रोड पर पुलिस ने शक के आधार पर एक बाइक सवार दो युवकों को रोककर पूछताछ की और उनकी तलाशी ली तो उनके कब्जे से 145 नग नशीले इंजेक्शन पाया गया। जिसकी कीमत 70 हजार रुपए बताई जा रही है। जिसे पुलिस ने जब्त किया है और आरोपी प्रभू प्रजापति निवासी सूरजपुर व सुभाष एक्का निवासी गांधीनगर को गिरफ्तार किया है। ये दोनों आरोपी नशीले इंजेक्शन बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। दोनों ही मामले के कार्रवाई में मुख्य रूप से सहायक निरीक्षक डीएन यादव, सहायक उप निरीक्षक विवेक पांडेय, प्रधान आरक्षक मदन गोपाल परिहार, आरक्षक समितुल फिरदौसी, अतुल सिंह, अरविन्द उपाध्याय, अमृत सिंह, प्रविण सिंह, ऋषभ सिंह, दिलबोधन, श्यामलाल, रिंकू गुप्ता, असलम, सत्येन्द्र दुबे, बृजेश राय, उमाशंकर साहू, जोधन राम शामिल रहे।

सरगुजा पुलिस द्वारा हत्या के मामले में आरोपी पिता को चंद घंटे में किया गया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

मामले का संक्षिप्त विवरण में प्रार्थी संजय सिंह ग्राम सुवारपारा बतौली द्वारा थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि ग्राम सुवारपारा में शिव कुमार पैकरा निवासी ग्राम सुवारपारा को घर के आंगन में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा घातक हथियार से सिर में चोट पहुंचाकर हत्या कर दिया है, प्रार्थी कि रिपोर्ट पर सदर धारा 302 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले को संज्ञान में लेकर पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग के सतत मार्गदर्शन मे पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता के निर्देशन मे मामले के आरोपी का पता तलाश कर शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर

ध्रुवेश जायसवाल के नेतृत्व मे थाना प्रभारी बतौली द्वारा एक विशेष टीम गठित कर आरोपी का तलाश किया जा रहा था। विवेचना के दौरान मृतक के परिजन एवं आस-पास के लोगों से पुछताछ किया गया जो परिजनों एवं आसपास के लोगो के बयानों के आधार पर मृतक के पिता रामजीत पैकरा का मृतक लड़के से आपसी विवाद होने की जानकारी प्राप्त हुई थी, पिता की भूमिका मामले मे संदिग्ध रही थी, जो पुलिस टीम द्वारा मृतक के पिता की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया, कड़ाई से पूछताछ करने पर मृतक के पिता रामजीत पैकरा साकिन सुवारपारा द्वारा मृतक लड़के से आपसी विवाद होने पर अपने लड़के शिव कुमार पैकरा की टांगा से मारकर हत्या कारित करना स्वीकार किया एवं आरोपी द्वारा घटना में प्रयुक्त टांगा को अपने घर से कुछ दूरी पर खेत बाड़ी मे फेकना बताया जो आरोपी के निशानदेही पर टांगा को बरामद किया गया, मामले के आरोपी रामजीत साकिन सुवारपारा बतौली को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी बतौली उनि प्रमोद कुमार पाण्डेय, सउनि शिवमन कौशिक, प्रआर.फलेन्द्र सिंह, प्रआर. रविशंकर प्रआर.देवेन्द्र सिंह, आरक्षक राजेश खलखो, पंकज लकड़ा, अशोक भगत, विजय सोनवानी, बिजेन्द्र सिंह, अनिल पैकरा, महेन्द्र नाग शामिल रहे।

सिजन का छाया पहला कोहरा,दृश्यता 500 मीटर

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

दो अलग अलग तापक्रमों की हवाओं के आपसी सम्पर्क से बनने वाले कोहरे को सम्पर्कीय कोहरा कहते हैं। ठंडे धरातल पर जब गर्म और आर्द्र हवा क्षैतिज संचरण करती है तब उसके तापमान में गिरावट के कारण इस प्रकार का कोहरा बनता है। शीत ऋतु में स्थलीय भाग और ग्रीष्म ऋतु के समय सागरीय भागों में इसके लिये अनुकूल परिस्थितियां रहती हैं। इसकी ऊंचाई या मोटाई 300 से 600 मीटर तक होता है। घना कोहरा मतलब स्थानीय भूसतही वायुमण्डल का संतृप्त हो जाना। संतृप्त वायु में आर्द्रता की मात्रा 100 प्रतिशत हो जाती है जिससे उसमें और अधिक जल वाष्प कणों को धारण करने की क्षमता समाप्त हो जाती है जिससे संघनन की क्रिया प्रारम्भ होती है और वायुमण्डल के जलवाष्प का द्रवीकरण होने लगता है जो ओस के रूप में धरातल पर दिखता है। दो दिशाओं से चल रही हवाओं के कारण तापमान में पिछले कुछ दिनों से उतार चढ़ाव हो रहा है। इस लिए तापमान स्थिर रहीं है। वहीं सोमवार को इस सिजन का पहला कोहरा अंबिकापुर क्षेत्र में छाया रहा। कोहरा काफी घना होने के कारण दृश्यता 500 मीटर तक सिमटी थी। मौसम विज्ञानी के अनुसार न्यूनतम तापमान में गिरावट नहीं हुआ वहीं 24 घंटे के अंदर एक डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। रविवार का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस था वहीं सोमवार को यह तापमान बढ़कर 10 डिग्री हो गया है। मौसम विज्ञानी एएम भट्ट के अनुसा सोमवार की सुबह इस सिजन का पहला घना कोहरा पड़ा है। कोहरा लगभग 9 बजे तक छाया रहा। वहीं मौसम साफ होने के बाद एक बार फिर कड़ाके की ठंड पडने की उम्मीद है।

राजेश प्रताप सिंह का ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस बास्केटबॉल प्रतियोगिता में हुआ चयन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 02 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के वरिष्ठ बास्केटबॉल खिलाड़ी और राष्ट्रीय रेफरी राजेश प्रताप सिंह के नाम के साथ एक और उपलब्धि जुड़ गई है। संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम मे बास्केटबॉल का प्रशिक्षण देने वाले सिंह का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। वो दिल्ली में आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शामिल होने दिल्ली रवाना होगें. इसके पहले राजेश प्रताप सिंह राजधानी रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए हैं। ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस के लिए बास्केटबॉल टीम का चयन शिविर का आयोजन बीते 19 दिसंबर को किया गया था. जिसके कुछ दिन बाद चयनकर्ताओ ने चयन सूचि जारी कर दी। प्रदेश भर के 12 खिलाडियों की इस सूचि में सरगुजा ज़िले के सीनियर बास्केटबॉल खिलाड़ी और नेशनल रेफरी राजेश प्रताप सिंह का नाम शामिल था. चयन के बाद ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शामिल राजेश प्रताप सिंह ने 12 सदस्यीय टीम के साथ 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक रायपुर के पुलिस लाइन मैदान में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लिया। इसके बाद ये 12 सदस्यीय टीम दिल्ली में 5 जनवरी से 8 जनवरी तक आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शामिल होंगे. जिसमें देश के तमाम राज्यों की टीम भी शामिल होंगी। गौरतलब है कि शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर में बतौर पीटीआई पदस्थ राजेश प्रताप सिंह इसके पहले भी सन् 2019 की ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शामिल हो चुके हैं. इसके अलावा वो सरगुजा ज़िला बास्केटबॉल संघ के सचिव और कोच के साथ बास्केटबॉल के राष्ट्रीय रेफरी भी हैं। इधर राजेश प्रताप सिंह के इस बडी उपलब्धि पर पूरे शहर और उनके परिवार में हर्ष व्याप्त है।

सिविल जज हेतु अंबिकापुर में परीक्षा केन्द्र खोले जाने की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता ने राज्य लोकसेवा आयोग के चेयरमैन टॉमन सिंह सोनवानी को पत्र खिकर सिविल जज हेतु सरगुजा संभाग के मुख्यालय अम्बिकापुर में परीक्षा केन्द्र खोलने की मांग की है।

उन्होंने पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सिविल जज की परीक्षा आयोजित की जाती है उसी क्रम में इस वर्ष माह फरवरी में यह परीक्षा आयोजित की गई है। सिविल जज के अभ्यर्थियों के लिए प्रदेश में बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग एवं भिलाई परीक्षा केन्द्र प्रदान किया गया है, परन्तु सरगुजा संभाग को उपेक्षित रखते हुए यहां परीक्षा सेन्टर प्रदान नहीं किया गया। जिला जशपुर, सरगुजा, बलरामपुर,

सूरजपुर एवं कोरिया जिले का मुख्यालय कमिश्नरी सरगुजा जिला है। जो लगभग सरगुजा संभाग के अन्तर्गत 175 किलोमीटर की परिधी में आता है। जहां से लगभग 20 हजार सिविज जज के परीक्षार्थी 400 किलो मीटर के दूर जाकर परीक्षा देना पड़ता है। राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा छग के सटे हुए तीनों जिलों में यह परीक्षा केन्द्र खोला गया है, जो सरगुजा संभाग को उपेक्षा के दृष्टिकोण से रखने की श्रेणी में आता है तथा यह किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है। उक्त परिस्थिति में सरगुजा संभाग के हितों को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से सरगुजा संभाग के मुख्यालय अम्बिकापुर में सिविल जज के परीक्षा केन्द्र को खोलने की अनुमति प्रदान करें। अनुमति प्रदान नहीं की जाती है तो जिला सरगुजा अधिवक्ता संघ आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने हेतु मजबूर होगा।

छः सूत्रीय मांग को लेकर आबा कार्यकर्ता व सहायिकाओं ने निकाली रैली

सरकार को याद दिलाया वायदा

सूरजपुर, 02 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

छः सूत्रीय मांग को लेकर अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के दूसरे गुट ने सोमवार को रैली निकाल कर सरकार को एक ज्ञापन सौंपा है।जिसमे राज्य सरकार से उनका चुनावी वायदा याद दिलाया है।जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका संघ ने आज यहां एक रैली निकाल कर छः सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा है।जिसमे कहा गया है कि सरकार ने पिछले चुनाव के दौरान अपने घोषणा पत्र में हमारी मांगो को शामिल करने का वायदा किया था पर अब तक इसमे अमल नही हुआ है। संघ ने खुद को सरकारी कर्मचारी घोषित करने ,कलेक्टर दर पर वेतन देने ,रिक्त पद पर शत प्रतिशत पदोन्नति देने,शिक्षक का दर्जा देने,मिनी आंगनबाड़ी कार्यकताओ को समान काम समान वेतन देने रिटायर मेन्ट के बाद 5 लाख व तीन लाख एक मुश्त देने सहित मोबाइल नेट चार्ज न मिलने तक मोबाइल पर काम का दबाव नही बनाने की मांग की गई है। इस दौरान सरिता पाठक,पदमावती साहू, रुक्मणी सज्जन, हेमा भारती व गजेंद्र झा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व सहायिका सक्रिय रही।

लायंस क्लब ने ठंड से ठिठुरते लोगों को ओढ़ाया कम्बल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

विगत कई वर्षों की भांति इस वर्ष भी नव वर्ष के आगमन पर 31 दिसंबर कि रात्रि में लायंस क्लब अम्बिकापुर सरगुजा द्वारा ठंड से ठिठुरते हुए लोगों को कंबल, ओढ़ाने का कार्यक्रम किया गया। जिसमें गुरुनानक चौक, रामानुजगंज रोड, सदर रोड, खरसिया रोड, ब्रह्म रोड़, घड़ी चौक, गांधी चौक, पीजी कॉलेज के सामने, नया बसस्टैंड में जरूरतमंदों को कम्बल ओढ़ाया गया। कुछ जगहों पर प्लास्टिक की बोरियो पर लोग सोए हुए ठंड से ठिठुरते मिले। तत्पश्चात नव वर्ष के आगमन पर नववर्ष का स्वागत किया गया। इस अवसर पर लायन डॉ. जीडी सिंह पास्ट गवर्नर, एलपी गुप्ता, पीके गोयल, सुमन सिंह, अनुजप्रसाद सिंह, त्रिलोचन सिंह बाबरा, अनिल शुक्ला, बिजेन्द्र पाठक, रमेश अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, प्रेमलता गोयल, उमा सिन्हा की सक्रिय सहभागिता रही।

वर्ष 2022 में सरगुजा रेंज में घटित हुए 14778 अपराध,88 प्रतिशत को हुआ निराकरण:आईजी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग द्वारा पुलिस को आडिनेशन सेंटर अंबिकापुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरगुजा संभाग के पुलिस द्वारा की गई कार्यों के उपलबधियों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। प्रेस वार्ता में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कानून व्यवस्था, यातायात, सायबर अपराध, चोरी के प्रकरण, अवैध शराब तथा मादक पदार्थों पर रोकथाम हेतु कार्यवाही को लेकर विशेष चर्चा की गई। प्रेस वार्ता के दौरान वर्ष 2022 में घटित कुल अपराधों एवं उनके निकाल के संबंध में तथा विवेचना में दक्षता लाने अधिक से अधिक अपराधों के निकाल हेतु किये गये प्रयास का उल्लेख किया गया है। इस दौरान सुदृढ़ कानून व्यवस्था अपराधों की रोकथाम चोरी एवं नकबजनी के अपराधों में नकेल कसने हेतु पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज द्वारा कहा गया है कि थाना अंतर्गत बीट प्रणाली को गंभीरतापूर्वक लेते हुए ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को वॉट्एप ग्रुप बनाकर जोडने हेतु आहवान किया गया है जिससे किसी भी क्षेत्र में घटित होने वाले संम्पूर्ण घटना की जानकारी तत्काल मिल सके। रेंज अंतर्गत चलाये जा रहे सामुदायिक पुलिसिंग के तहत महिला विरूद्ध अपराधों की रोकथाम हेतु अभिव्यक्ति एप के जरियें महिलाओं को उनके विरूद्ध होने वाले हिंसा तथा अपराधों के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। जिसका अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। इसी प्रकार रेंज अंतर्गत नशा के विरूद्ध निजात अभियान, विश्वास अभियान हमर बेटी-हमर मान, हिम्मत इत्यादि कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक लोगों को अधिक को पुलिस से जोड़ा जा रहा है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु पुलिस मुख्यालय, रायपुर द्वारा जारी ई-चालान अभियान को जिला सरगुजा में सुदृण बनाने हेतु त्रिनेत्र के तहत् मोबाईल नंबर 9627344000 जारी करते हुये अव्यवस्थित वाहन पार्किंग यातायात का उल्लघंन करने वाले अत्यधिक तेज गति से वाहन चालाने तथा वर्जित साइलेंसर का उपयोग करने वाले वाहनों के विरूद्ध अधिक से

अधिक चालानी कार्यवाही करने हेतु आई द्वारा सख्त निर्देश दिया गया जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकें।

गुम बालक बालिकाओं के दस्याची हेतु विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक नबालिकों एवं अपहृतों के दस्याबी का लक्ष्य रखा गया है। थाने स्तर पर आगंतुकों तथा वृद्धजनों एवं महिलाओं से सौम्य व्यवहार करने संदेश दिया गया।

साईबर क्राईम के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग द्वारा कहा गया कि रेंज के सभी जिलों को साईबर फ्राड से बचने जागरूक करने के लिए समुदायिक पुलिसिंग के तहत् कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी प्रकार जिला सूरजपुर में साईबर प्रहरी एप लांच कर लोगों को जागरूक किया जा राह है और इसी प्रकार रेंज के सभी जिलों में ऐसे तकनीकी के माध्यम से सायबर फ्राड से बचने हेतु अथक प्रयास जारी रहेगा। एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में इन्ड टू इन्ड कार्यवाही करने हेतु विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही की जावेगी। जिसमें एनडीपीएस एक्ट में संलिप्त तस्करों के विरूद्ध उनके पूर्ण ठिकानों की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर उनके संपतियों को चिन्हित कर राजसात की कार्यवाही करने हेतु आश्वस्थ किया गया। वर्ष 2022 में सरगुजा रेंज अंतर्गत कुल घटित अपराधों का आंकड़ा जिसमें 14778 अपराध घटित हुए है जिनमें 88 प्रतिशत मामलों का निराकरण किया गया है इसी तरह सम्पति संबंधी मामलों में कुल 1664 में से 1222 मामलों में गिरतारी कर निराकरण करते हुए कुल दो करोड़ बयालीस लाख पचासी हजार एक सौ छियालीस रूपये की (बाजाप्ता) बरामदगी की गई है जो कि सरगुजा रेंज पुलिस कही एक उपलब्धि है। इसी प्रकार आबकारी एक्ट में रेंज अंतर्गत कुल 2675 प्रकरणों में 7360 लीटर शराब (अंग्रेजी / महुआ) जप्ती की गई है जिसकी कीमत कुल छप्पन लाख बत्तीस हजार सैंतालीस रूपये आकी गई है तथा जुआ एक्ट के कुल 600 प्रकरणों में उन्नीस लाख तीरसठ हजार इक्कीस रूपये की जप्ती की गई है एवं सट्टा के 150 प्रकरणों में आठ लाख पन्द्रह हजार छत्तीस रूपये बरामद किया गया है। नारकोटिक्स एक्ट के तहत की गई कार्यवाही में रेंज अंतर्गत कुल 240 प्रकरणों में 3066.464 किलो ग्राम गांजा 55 नग गांजा पौधा, 186.23 ग्राम बाउन शुगर, 2953 नग कप सीरप, 6582 नग इंजेक्शन, 35406 नग टेबलेट 87 नग कैप्सूल जप्त किया गया जिसकी कुल कीमत दो करोड़ अठाईस लाख चौवालीस हजार नौ सौ छब्बीस रूपये की बरामगी की गई है। प्रेस वार्ता के अंत में पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग द्वारा नव वर्ष की शुभकामनाए संदेश देते हुये कहा गया कि पुलिस एवं जनता के बीच मधुर संबंध करने हेतु हर संभव प्रयास किया जावेगा।

CMYK

पीटीआई सीनेटर स्वाति को हाई कोर्ट ने दी जमानत,सैन्य अफसरों के खिलाफ विवादित ट्वीट मामले में हैं आरोपी

इस्लामाबाद, 02 जनवरी 2023।
इस्लामाबाद की अदालत से पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सीनेटर आजम खान स्वाति को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने उन्हें सेना के खिलाफ विवादित ट्वीट मामले में जमानत दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्वाति पिछले साल नवंबर से सेना के खिलाफ अपने विवादास्पद ट्वीट को लेकर हिरासत में थीं। स्वाति पर अलग-अलग ट्वीट के जरिए सैन्य अधिकारियों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगा है। गौरतलब है कि आजम खान स्वाति को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीबियों में गिना जाता है।

बीते महीने की शुरुआत में आजम खान स्वाति ने जमानत के लिए इस्लामाबाद की एक विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जिसे विशेष अदालत ने खारिज कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में गिरफ्तारी के बाद जमानत याचिका दायर की थी। जिस पर अदालत ने फैसला सुनाया है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायधीश आमेर फारूक ने उन्हें दो लाख रुपये के ज़मानत बांड जमा करने का निर्देश दिया है।

14 अक्तूबर को, पाकिस्तान के संघीय जांच प्राधिकरण ने सेना प्रमुख, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थानों के खिलाफ सोशल मीडिया पर %धमकी भरा संदेश% पोस्ट करने को लेकर पीटीआई सीनेटर आजम खान स्वाति को गिरफ्तार किया था। इस मामले में स्वाति को जमानत मिल गई थी। हालांकि, पूर्व सेनाध्यक्ष कमर जावेद बाजवा सहित शीर्ष सैन्य अधिकारियों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर एफआईए ने फिर से स्वाति को गिरफ्तार कर लिया था।

पाक मीडिया के मुताबिक, दो दिसंबर को बलूचिस्तान पुलिस ने क्वेटा में इसी तरह के एक मामले में पीटीआई सीनेटर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के समय वह अदियाला जेल में न्यायिक हिसारत में थे। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान ने आजम खान स्वाति की गिरफ्तारी की निंदा की थी।

यह दूसरी बार था जब दो महीने से भी कम समय में पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के बारे में उनके ट्वीट पर स्वाति को एफआईए द्वारा गिरफ्तार किया गया था। अक्टूबर 2022 में पहले ट्वीट के बाद उनकी गिरफ्तारी के दौरान, उन्हें कथित तौर पर सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों द्वारा प्रताड़ित और अपमानित किया गया था। साथ ही स्वाति ने यह दावा भी किया है कि उनके परिवार को शर्मिंदा करने के लिए एजेंसियों द्वारा उसकी पत्नी को एक वीडियो भी भेजा गया था।

पाकिस्तान में सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत,चार अन्य गंभीर रूप से घायल

इस्लामाबाद, 02 जनवरी 2023।
पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में सोमवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। चार अन्य घायल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बताया जा रहा है कि पेशावर से लगभग 40 किमी पश्चिम में कोहाट सुरंग तहसील दर्रा आदम खेल के पास सिंधु राजमार्ग पर एक डम्पर ट्रक के एक वैन से टकरा जाने पर यह घातक दुर्घटना हुई। घायलों को कोहट जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनकी हालत गंभीर बताई गई थी। खैबर पख्तूनख्वा के राज्यपाल हाजी गुलाम अली और मुख्यमंत्री महमूद खान ने घातक दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने घायल यात्रियों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

कम्युनिस्ट सरकार बनने का असर, नेपाल में चीन का बढ़ने लगा हौसला?

काठमांडो , 02 जनवरी 2023। नेपाल में कम्युनिस्ट बहुल सरकार बनने का असर दिखने लगा है। चीन ने दावा कर दिया है कि पोखरा हवाई अड्डा 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत चीन और नेपाल के बीच सहयोग की प्रमुख परियोजना है।' काठमांडू स्थित चीनी दूतावास ने ये दावा पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन से एक दिन पहले किया। जबकि नेपाल सरकार का अभी तक आधिकारिक रुख यही है कि चीन की परियोजना बीआरआई के तहत अभी तक नेपाल में किसी प्रोजेक्ट पर अमल नहीं हुआ है। नेपाल सरकार ने बार-बार यह कहा है कि बीआरआई के तहत प्रोजेक्ट शुरू करने पर अभी बातचीत चल रही है।

पोखरा एयरपोर्ट का उद्घाटन रविवार को प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल के हाथों होना तय था। लेकिन उससे पहले ही शनिवार को चीनी दूतावास ने एक ट्विट में दावा कर दिया कि ये हवाई अड्डा बीआरआई के तहत बना है। नेपाल और चीन ने बीआरआई के प्रारूप समझौते पर 2017 में दस्तखत किए थे। नेपाल ने आरंभ में कहा था कि बीआरआई के तहत देश में 35 परियोजनाएं बनाई जाएंगी। बाद में चीन के अनुरोध पर इन परियोजनाओं की संख्या घटा कर नौ कर दी गई। जिन परियोजनाओं को तब बीआरआई की सूची से हटाया गया, उनमें पोखरा हवाई अड्डा भी था।

अखबार काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2016 में नेपाल सरकार ने चीन के साथ नया हवाई अड्डा बनाने के लिए लगभग साढ़े 21 करोड़ डॉलर के एक करार पर दस्तखत किए थे। यह समझौता नेपाल के नागरिक विमानन मंत्रालय और चीन एक एग्जिम बैंक के बीच हुआ था। लेकिन उस करार में कहीं भी बीआरआई का जिक्र नहीं था। उस समझौते के मुताबिक एग्जिम बैंक 25 फीसदी ब्याज मुक्त कर्ज देने पर राजी हुआ था। बाकी कर्ज दो फीसदी सालाना ब्याज दर पर देने पर उसने सहमति जताई थी, जिसे 20 साल में चुकाया जाना है।

विदेश मंत्री ने कहा

आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा,एक क्षेत्र तक सीमित नहीं इसका प्रभाव

वियना , 02 जनवरी 2023।
ऑस्ट्रिया यात्रा के दूसरे दिन विदेश मंत्री ने सोमवार को कहा कि आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है और यह एक क्षेत्र के भीतर तक सीमित नहीं है। जयशंकर ने व्यापार को लेकर भी बात की और कहा कि मौजूदा समय में हमारे पास 2.5 बिलियन डॉलर का व्यापार कारोबार है। भारत में इस समय डेढ़ सौ से ज्यादा ऑस्ट्रियाई कंपनियां मौजूद हैं। हम चाहते हैं कि यह संख्याएं पर्याप्त रूप से बढ़ें। एस जयशंकर ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि ऑस्ट्रियाई अर्थव्यवस्था में भारत की मौजूदगी में काफी वृद्धि हुई है।

भारतीय कौशल को दिखाने के लिए चाहिए समान अवसर

विदेश मंत्री ने कहा, हमने कई समझौते किए हैं और मुझे लगता है कि व्यापक प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी समझौते की शुरुआत खासतौर पर उल्लेखनीय है, क्योंकि यह कौशल की मांगों को प्रतिभा के साथ तालमेल करने में सक्षम करेगा। जयशंकर ने कहा, भारत कानूनी प्रवासन और गतिशीलता का एक मजबूत समर्थक है और एक देश के रूप में वैश्विक कार्यस्थल का पूरी तरह से लाभ उठाना चाहता है। उन्होंने आगे कहा, हम भारतीय कौशल और प्रतिभा के योगदान को दिखाने केलिए एक उचित, कानूनी और समान अवसर चाहते हैं।

आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा

जयशंकर ने आगे कहा, हमने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के खतरों पर भी बात की है, जो आतंकवाद से पैदा होते हैं। इनमें सीमा पार आतंकवाद, हिंसक उग्रवाद और कट्टरवाद शामिल है। उनके प्रभावों को एक क्षेत्र के भीतर सीमित नहीं किया जा सकता है। खासकर तब जब वे नशीले पदार्थों और अवैध हथियारों के व्यापार और अंतरराष्ट्रीय अपराध के अन्य रूपों से गहराई से जुड़े हों। भारत इन सबके इतने करीब है, स्वभाविक रूप से हमारे अनुभव और अंतर्दृष्टि दूसरों के लिए उपयोगी है।

रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर कही ये बात

रूस-यूक्रेन के बीच बीते करीब नौ महीनों से जारी युद्ध को लेकर विदेश मंत्री ने कहा, मेरे प्रधानमंत्री दोनों देशों के नेताओं के संपर्क में हैं। इस संबंध में हम अपने दृष्टिकोण पर जोर देते रहे हैं। हम ईंधन, भोजन और उर्वरकों की पहुंच और संघर्ष के प्रभावों को लेकर भी चिंतित हैं। यह वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के लिए एक बढ़ती चिंता है।

2022 में क्यों नाकाम रही एशिया में चीन को अलग-थलग करने की अमेरिकी कोशिश?

सिंगापुर, 02 जनवरी 2023।
अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में चीन को अलग-थलग करने की अमेरिकी रणनीति एशिया में इस वर्ष कामयाब नहीं हुई। अमेरिका ने अपने सहयोगी एशियाई देशों से चीन पर अपनी आर्थिक निर्भरता घटाने को कहा था। लेकिन असल में इस वर्ष ज्यादातर एशियाई देशों के चीन के साथ आर्थिक संबंध और मजबूत हो गए। यह बात अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल के विश्लेषण से सामने आई है।

अखबार ने अर्थशास्त्रियों के हवाले से कहा है कि छोटी अर्थव्यवस्था वाले देशों में आम प्रवृत्ति अपने पास-पड़ोस के बड़े देश से आर्थिक संबंध मजबूत करने की रहती है। यह सामान्य आर्थिक सिद्धांत इस वर्ष एशिया में व्यवहार में आता नजर आया। नतीजतन, चीन एशियाई देशों के लिए अपेक्षाकृत सस्ती दर पर मशीनरी, कार आदि जैसे उत्पादों का प्रमुख सप्लायर बना रहा। इस विश्लेषण के मुताबिक इस आम व्यवहार के अलावा चीन का एशियाई देशों से व्यापार बढ़ने का एक और कारण चीन की नई रणनीति है। इसके तहत पश्चिमी देशों से संबंध तनावपूर्ण होने के कारण अब चीन आसपास के देशों से कारोबार बढ़ाने पर खास जोर डाल रहा है।

आर्थिक विशेषज्ञों के मुताबिक दुनिया में बनते नए हालात के कारण कई देशों ने खुद को मैन्युफैक्चरिंग केंद्र बनाने की पहल की है। लेकिन इससे चीन के कारोबार पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। इन देशों ने जिन चीजों के उत्पादन के कारखाने लगे हैं, उनके लिए भी कल-पुर्जे अक्सर चीन से मंगवाए गए हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत और वियतनाम स्मार्टफोन उत्पादन के बड़े केंद्र के रूप में उभरे हैं, लेकिन वहां बनने वाले स्मार्टफोन में भी चीन से आने वाले पुर्जों और बुनियादी सामग्रियों (बेसिक मैटेरियल्स) का इस्तेमाल हो रहा है।

अर्थशास्त्रियों के मुताबिक जब तक अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों के प्रति अपनी नीति बदल कर एशियाई देशों की पहुंच अपने विशाल उत्पादन और उपभोक्ता बाजार तक नहीं बनाने देगा, चीन के प्रभाव को कम करने की उसकी रणनीति कामयाब नहीं होगी। लंदन स्थित कंसल्टिंग फर्म टीएस लोम्बार्ड में चीन विशेषज्ञ अर्थशास्त्री रॉरी ग्रीन ने कहा है- 'एशिया के अंदर अमेरिका को वास्तविक संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है। उसे (व्यापार के) गुरुत्वाकर्षण का मुकाबला करना पड़ रहा है।'

अमेरिका ने चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध की शुरुआत 2018 में की थी। उसके बाद से दस पड़ोसी देशों के साथ चीन के आयात और निर्यात में 71 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। इन देशों में इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, और वियतनाम भी शामिल हैं। इसी अवधि में भारत के साथ चीन के व्यापार में 49 फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, इस अवधि में खुद अमेरिका के साथ चीन के आयात-निर्यात में 23 फीसदी का इजाफा हुआ है कि और यूरोप के साथ उसका व्यापार 29 फीसदी बढ़ा है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक चीन का व्यापार बढ़ने का एक प्रमुख कारण वहां तैयार होने वाले उपकरणों का सस्ता होना है। उधर अमेरिका के व्यापार युद्ध शुरू करने के बाद से उसने अनेक देशों से होने वाले आयात पर कस्टम घटा दिया है। इससे उन देशों के उत्पादों की बिक्री चीन में बढ़ी है। एशिया सहित दुनिया के अन्य हिस्सों के ज्यादातर देश व्यापार में यह लाभ छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इसलिए चीन को अलग-थलग करने की रणनीति ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई है।

गोताबाया ने अमेरिकी नागरिकता बहाली के लिए किया आवेदन! राष्ट्रपति ने लोकसेवकों से की ये अपील

कोलंबो , 02 जनवरी 2023। किसी भी देश में शरण पाने में विफल रहने के बाद श्रीलंका के अपदस्थ राष्ट्रपति गोताबाया राजपक्षे ने अपनी अमेरिकी नागरिकता की बहाली के लिए आवेदन किया है। हालांकि, अमेरिकी सरकार ने अभी तक अनुरोध पर विचार नहीं किया है। बता दें कि साल 2019 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए गोताबाया ने अपनी अमेरिकी नागरिकता त्याग दी थी, क्योंकि श्रीलंका के संविधान के अनुसार, दोहरी नागरिकता धारकों को चुनाव लड़ने पर यहां रोक लगी हुई है।

अमेरिका नागरिकता बहाल होना एक मुश्किल प्रक्रिया

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि 73 वर्षीय राजपक्षे ने 2022 में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान श्रीलंका से भागकर किसी भी देश में शरण लेने में विफल रहने के बाद अपनी अमेरिकी नागरिकता की बहाली के लिए अपील की थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले की गई अमेरिकी नागरिकता को बहाल करने की अपील एक महंगी कानूनी प्रक्रिया और समय लेने वाली है। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति पिछले साल 13 जुलाई को श्रीलंका भागकर मालदीव चले गए थे। वहां से उन्होंने सिंगापुर और फिर थाईलैंड की यात्रा की। वह 2 सितंबर को घर वापस आया।

श्रीलंका के लोकसेवकों को ओवरटाइम काम करना होगा- राष्ट्रपति विक्रमसिंघे

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने सोमवार को अपने लोकसेवकों से ओवरटाइम काम करने की अपील की है। उन्होंने लोकसेवकों से कहा कि आर्थिक संकट से जूझ रहे देश को फिर से पटरी पर लाने के लिए ओवरटाइम काम करना होगा। उन्होंने कहा कि अब आठ घंटे ड्यूटी करने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक लोक सेवकों को दिन में 8 घंटे और सप्ताह में 5 दिन तक सीमित नहीं किया जा सकता है। आइए हम सभी प्रतिबद्धता के साथ काम करें। 2023 के अंत तक, मैं आप सभी के समर्थन से इस देश को आगे ले जाने और पुनर्स्थापित करने की उम्मीद करता हूं। सामान्य स्थिति, ÷समाचार पोर्टल newsfirst.lk ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विक्रमसिंघे के हवाले से बताया।

माधव कुमार नेपाल ने सरकार में शामिल होने की संभावना से किया इन्कार

9 जनवरी को संसद का पहला सत्र

काठमांडू , 02 जनवरी 2023। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल ने सोमवार को प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल %प्रचंड% के नेतृत्व वाली सीपीएन (माओवादी सेंटर) नीत सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया। नेपाल ने सोमवार को एक बैठक की, जिसमें उन्होंने कहा कि CPN (यूनिफाइड सोशलिस्ट) राष्ट्र और उसके लोगों के हितों के अनुरूप आगे बढ़ेगा। नेपाल ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में पार्टी अच्छा कर रही है और वह किसी का सामना करने या किसी पर आरोप लगाने के पक्ष में नहीं है।

उन्होंने पार्टी के सदस्यों से एक नई राजनीतिक पार्टी के गठन की आवश्यकता को समझने के लिए कहा क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली द्वारा 2021 में संसद भंग करने के बाद पार्टी के भीतर रहकर समस्याओं को हल करने के उनके प्रयास विफल हो गए थे। उन्होंने कहा कि पार्टी देश में ताजा राजनीतिक घटनाक्रम की समीक्षा भी करेगी।

10 जनवरी को संसद में विश्वास मत हासिल करेंगे प्रचंड

नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने 10 जनवरी को संसद में विश्वास मत हासिल करने का निर्णय लिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी केंद्र के नेता प्रचंड ने 26 दिसंबर को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में पद की शपथ ली थी। उन्होंने नाटकीय रूप से नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले चुनाव पूर्व गठबंधन से बाहर निकलकर विपक्ष के नेता केपी शर्मा ओली से हाथ मिला लिया था। 68 वर्षीय नेता ने सोमवार को संसद सचिवालय से 10 जनवरी को संसद में विश्वास मत के एजेंडे को पेश करने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री ने संसद सचिवालय को भेजा पत्र

संसद सचिवालय के प्रवक्ता रोजनाथ पांडे ने कहा, ÷प्रधानमंत्री ने 10 जनवरी को संसद के एजेंडे में विश्वास मत के विषय को शामिल करने के लिए एक पत्र भेजा है।÷ संवैधानिक प्रावधान है कि प्रधानमंत्री बनने वाले व्यक्ति को पद की शपथ लेने के एक महीने के भीतर विश्वास मत हासिल करना होगा।

9 जनवरी को नई संसद का पहला सत्र

हिमालयी देश में 20 नवंबर को चुनाव हुए थे। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने 9 जनवरी को नई संसद का पहला सत्र बुलाया है। नए प्रधानमंत्री के रूप में प्रचंड की नियुक्ति के बाय यह पहला संसद सत्र होगा।

प्रचंड को हासिल है सात पार्टियों का समर्थन

प्रचंड को 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 169 सदस्यों का समर्थन दिखाते हुए राष्ट्रपति भंडारी को एक पत्र सौंपने के बाद नए प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। सदन में स्पष्ट बहुमत के लिए उन्हें 138 मतों की जरूरत थी। उन्हें ओली की नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-यूनिफाइड मार्किस्ट-लेनिनिस्ट और नवगठित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) सहित सात पार्टियों का समर्थन हासिल है।

CMYK

चुनावी वर्ष के साथ ही नए वर्ष के पहले दिन कोरिया जिपं उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी का मनाया गया जन्मदिवस

जो पानी से नहाते है वो लिबाज बदलते है जो पसीने से नहाते है वो इतिहास बदलते है:योगेश शुक्ला

- जिपं उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी के जन्म उत्सव पर उम्मीदवारी का ताल ठोकने वाले तीन चेहरे दिखे एक साथ
- 1 जनवरी की है जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी की जन्मतिथि, वर्ष 2023 के प्रथम दिन आदर्श चौक पटना में काटा गया केक
- बैकुंठपुर विधायक के पटना 84 क्षेत्र में हुए जन्मदिवस आयोजन से भी भव्य रहा आयोजन,जुटे स्वस्फूर्त सैकड़ों लोग
- जन्मदिवस आयोजन वर्ष 2023 विधानसभा चुनाव में दावेदारी को भी जता गया,शक्तिप्रदर्शन देख लगा ऐसा
- आदर्श चौक पटना में जिले के वरिष्ठ कांग्रेसजनों कार्यकर्ताओं ने मनाया जिला पंचायत उपाध्यक्ष का जन्मदिवस
- जिला पंचायत उपाध्यक्ष का जन्म उत्सव आदर्श चौक में धूमधाम के साथ मनाया गया
- वरिष्ठ हुए एकजुट..क्या वेदांती के चेहरे पर लड़ना चाहेंगे अगला विधानसभा?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 2 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

कार्यक्रम में रनई जमीदार योगेश शुक्ला ने जिला पंचायत उपाध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा कि जो पानी से नहाते हैं वह लिबाज बदलते हैं और जो पसीने से नहाते हैं वह इतिहास बदलते हैं, कुलमिलाकर वरिष्ठ दिग्गज कांग्रेसजनों ने जिला पंचायत उपाध्यक्ष की दावेदारी कहीं न कहीं स्वीकार करनी शुरू कर दी है और जिसका नजारा देखने को मिलने भी लगा है।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया वेदांती तिवारी का जन्मदिवस 1 जनवरी 2023 को पटना आदर्श चौक दुर्गा पूजा पंडाल में भव्य रूप में मनाया गया और जहां कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेताओं सहित कार्यकर्ताओं की मौजूदगी भी देखी गई और सभी बड़े उत्साह से जिला पंचायत उपाध्यक्ष के जन्मदिवस अवसर पर जन्मदिवस कार्यक्रम में शामिल नजर आए और जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया को बधाई देते हुए नजर आए। जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया वेदांती तिवारी का इस वर्ष का जन्मदिवस आयोजन यह भी एहसास करा गया कि आयोजन चुनावी वर्ष 2023 के लिए आगाज है और अब जिला पंचायत उपाध्यक्ष पूरी तरह विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी स्पष्ट रूप से सामने रख रहें हैं और वह पूरी तरह से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष के समर्थकों में भी जो जोश और जो जुनून देखने को मिला उससे साबित हुआ कि समर्थक भी अब जिला पंचायत उपाध्यक्ष को विधानसभा में जाते हुए देखना चाहते हैं और वह इसके लिए बिल्कुल तैयार हैं और जिला पंचायत उपाध्यक्ष से उनकी उम्मीद है कि वह चुनाव में दावेदारी प्रस्तुत करें और चुनाव लड़कर विधानसभा का रास्ता तय करें।

बड़े उत्साह से मनाया गया जन्मदिन,स्वस्फूर्त जुटे सैकड़ों लोग

जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया वेदांती तिवारी का जन्मदिवस पटना 84 क्षेत्र के ग्राम पटना के आदर्श चौक पर स्थित दुर्गा पूजा पंडाल में बड़ी धूमधाम से समर्थकों द्वारा मनाया गया और इस दौरान सैकडों की संख्या में समर्थकों को स्वस्फूर्त जुटते हुए देखा गया और जन्मदिन में शामिल होकर बधाई भी देते देखा गया साथ ही सभी ने अपनी इक्षा भी जाहिर करते हुए कहा कि अब वेदांती तिवारी विधानसभा चुनाव की तैयारी करें और चुनाव लड़कर विधानसभा का रास्ता तय करें।

वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने भी जन्मदिवस कार्यक्रम में की शिरकत,दी बधाई

पटना दुर्गा पूजा पंडाल में अयोजित जन्मदिवस कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने भी शिकरत किया और उन्होंने भी जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया को जन्मदिवस की बधाई दी। नए वर्ष 2023 के प्रथम दिवस आयोजित जिला पंचायत उपाध्यक्ष के जन्मदिवस कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसजनों की उपस्थिति से भी यह तय हुआ कि जिला पंचायत उपाध्यक्ष को लेकर उनके विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर वरिष्ठ कांग्रेसजन भी उत्साहित हैं और वह भी कहीं न कहीं जिला पंचायत उपाध्यक्ष को विधानसभा भेजने आतुर हैं और उनकी भी इक्षा है कि वह विधानसभा जाकर क्षेत्र को बेहतर नेतृत्व प्रदान करने की कोशिश करें।

बैकुंठपुर विधायक के जन्मदिवस कार्यक्रम से भी तुलना हुई पटना में आयोजित कार्यक्रम की

जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया के जन्मदिवस अवसर पर ग्राम पटना में आयोजित कार्यक्रम को देखने के बाद लोगों ने बैकुंठपुर विधायक के जन्मदिवस अवसर पर आयोजित किये गए ग्राम पटना में कार्यक्रम को लेकर भी लोग तुलना करते नजर आए और सभी ने माना कि जिला पंचायत उपाध्यक्ष के जन्मदिवस अवसर पर लोगों ने स्वस्फूर्त जन्मदिवस कार्यक्रम में शिरकत की और उन्हें बधाई दी और कार्यक्रम पूरी तरह से समर्थकों द्वारा आयोजित किया गया और कहीं किसी से इसके लिए कोई जोर जबरदस्ती नही की गई।

जुटे कांग्रेस के दिग्गज,खुद जो हो सकते हैं विधानसभा के लिए दावेदार उन्होंने भी कार्यक्रम में पहुंचकर दी बधाई

जन्मदिवस कार्यक्रम वैसे तो जिला पंचायत उपाध्यक्ष के समर्थकों द्वारा आयोजित किया गया था लेकिन कार्यक्रम में कांग्रेस के कई ऐसे दिग्गज भी शामिल होकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष को बधाई देते नजर आए जो कहीं न कहीं खुद विधानसभा चुनाव 2023 में अपने आपको दावेदार मान रहें हैं विधानसभा प्रत्याशी बतौर। रनई जमीदार योगेश शुक्ला, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष बैकुंठपुर अशोक जायसवाल व पूर्व जनपद उपाध्यक्ष बैकुंठपुर अनिल जायसवाल इनमें शामिल रहे जिन्होंने जिला पंचायत उपाध्यक्ष को पटना में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर बधाई दी।

रमदहा जलप्रपात को पर्यटन हेतु विकसित करने 2 करोड़ से अधिक की राशि आवंटित

- संवाददाता -
मनेंद्रगढ़ 2 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र में प्राथमिकता से क्षेत्र की मूलभूत बुनियादी आवश्यकताओं के साथ पर्यटन व संस्कृति पर भी कार्य हो रहे हैं। प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम में रमदहा जलप्रपात को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने घोषणा की थी और 6 माह के भीतर घोषणा पर अमल करते हुए पहले 50 लाख और अब 2 करोड़ से अधिक की राशि का बजट आवंटन आदेश जारी किया है। बड़ी राशि मंजूर होने से प्रसिद्ध रमदहा जलप्रपात को पर्यटन के रूप में बेहतर तरीके से विकसित किया जा सकेगा। यहां विकास को पंख लगेंगे।

उक्त बातें सविप्रा उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त विधायक गुलाब कमरो ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में पर्यावरण वानिकी योजनांतर्गत निर्माण, विकास, रख-रखाव कार्यो हेतु 2 करोड़ 8 लाख 35 हजार राशि बजट आवंटन आदेश जारी किए जाने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रतिकृतज्ञता व्यक्त करते हुए कही। बता दें कि कुछदिनों पूर्व ही रमदहा जलप्रपात को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु 50 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं अब बड़ राशि बजट में आवंटित होने से प्रसिद्ध रमदहा जलप्रपात को पर्यटन हेतु विकसित किया जाएगा। यहां विभिन्न निर्माण, लैंडस्केपिंग, लाईट, नल-जल व्यवस्था, गेट, सीसी रोड, वाच टावर, साइन बोर्ड एवं अन्य आवश्यक कार्य कराए जाएंगे जिससे जलप्रपात की खूबसूरती में चार चाँद लगेगा। विधायक कमरो ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 28 जून को बहरासी में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान रमदहा जलप्रपात को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने की घोषणा की थी और उन्होंने अपने वायदे पर अमल करते हुए एक के बाद एक बड़ी राशि मंजूर कर क्षेत्र में विकास को गति देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के समृद्ध परम्परा को दुनिया के मानचित्र में लाने छत्तीसगढ़ के पास सब कुछ है, जिसे अपनाते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार निरंतर काम कर रही है। विधायक ने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा शासन में प्रदेश की पहली विधानसभा भरतपुर-सोनहत विकास के मामलों में अंतिम पायदान पर रहीं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं के साथ पर्यटन के लिए प्राथमिकता से कार्य करते हुए हमारी सरकार ने क्षेत्र में विकास के नए आयाम तय किए हैं।

नवोदय में मनाया गया नववर्ष

- संवाददाता -
सूरजपुर, 02 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई, जिला -सूरजपुर में नव वर्ष 2023 का अभिनंदन हर्षोल्लास से किया गया इस विशेष अवसर पर विद्यालय प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य डॉ आर.पी. यदु एवं शिक्षकों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुआ। कक्षा नौवीं की प्रवासी छात्राओं में उर्मिला, लूना उपाध्याय ,मोनिका, खुशबू एवं उनकी सहेलियों द्वारा मनमोहक बिहू नृत्य प्रस्तुत किया गया। कक्षा नौवीं के छात्र बाबू रामफार ने ÷महका महका÷ गीत प्रस्तुत किया। खुशी एवं ज्ञानेश्वरी कक्षा दसवीं द्वारा हिंदी गीत , प्रवासी छात्र अनिल रांगहांग ने रैप सॉन्ग ,कक्षा दसवीं की छात्रा संध्या ने हिंदी गीत प्रस्तुत किया। कक्षा बारहवीं के छात्र जरीफान सिद्दीकी ने पियानो वादन एवम कक्षा नौवीं की छात्रा उर्मिला द्वारा गीत मोह मोह के धागे का सुमधुर गायन किया गया। कक्षा नवी के माइग्रेशन छात्रों में अनिल, बाबू, रोहन ,दीप, प्रिंस, शरहान ,आकाश एवं तेरीकाम द्वारा कार्वी डांस प्रस्तुत किया गया। असमिया की विदुषी शिक्षिका सुश्री सुनीता देवी द्वारा मनभावन बिहू नृत्य प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के कला शिक्षक श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा बांसुरी वादन किया गया। उन्होंने बांसुरी द्वारा ÷तुझसे नाराज नहीं जिंदगी एवं मौसम है आशिकाना बाँसुरी की धुन में प्रस्तुत किया। विद्यालय के हिंदी शिक्षक चितरंजन कुमार चौहान द्वारा छत्तीसगढ़ी गीत आबे मोर गांव मा एवं हिंदी ग़ज़ल नए साल में आ जाओ प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. ज़ेड. एच. सिद्दीकीजी ने छाने दो घटनाओं को आसमां पर फिर देखना गजल सुना कर सबका दिल जीत लिया। विद्यालय प्राचार्य डॉक्टर आर.पी. यदु द्वारा असमिया नृत्य करने वाली शिक्षिका सुश्री सुनीता देवी एवं बिहू नृत्य करने वाली छात्राओं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। साथ ही उन्होंने समस्त विद्यार्थी कलाकारों को आशीर्वाद प्रदान किया एवं नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। भूगोल के व्याख्याता डॉ. जेड. एच. सिद्दीकी द्वारा विद्यालय परिवार को नववर्ष की शुभकामनाएं एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया। समस्त विद्यालय परिवार के लिए प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के परामर्शदाता श्री रमेश कुमार का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों में दिशा पटेल, किरण सिंह , माही जायसवाल और विष्णु द्वारा किया गया।

क्या ग्रामीण क्षेत्र के विधायक को गांव नहीं शहर आ रहा पसंद ?

- मनेंद्रगढ़ में मनेंद्रगढ़ विधायक की लोकप्रियता कम वहीं भरतपुर सोनहत विधायक की लोकप्रियता ज्यादा,आखिर क्यों?
- क्या 2023 में मनेंद्रगढ़ विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे गुलाब कमरों या मनेंद्रगढ़ शहर को अपने विधानसभा में कराएंगे शामिल?
- मनेंद्रगढ़ से गुलाब कमरों की बढ़ती नजदीकियां उठा रही कई सवाल?

- रवि सिंह -
मनेंद्रगढ़ 2 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के अविभाजित कोरिया का मनेंद्रगढ़ विधानसभा अलग ही कहानी बयां कर रही है 4 साल के कार्यकाल के बाद इस विधानसभा में जो देखने और सुनने को मिल रहा है वह एक अलग ही कहानी बयां करने लगी है और यह कहानी हो तो क्यों ना हो क्योंकि इस विधानसभा के विधायक खुद इस शहर में अपनी लोकप्रियता खो चुके हैं इसकी वजह क्या है यह तो अंदर खाने की बात है पर जो विधानसभा जिस शहर के नाम से है उसी शहर में उसी विधायक की लोकप्रियता कम होना और दूसरे विधानसभा भरतपुर सोनहत के विधायक की लोकप्रियता बढ़ना व शहर से नज़दीकियां बढ़ना कहीं ना कहीं दो विधायकों के बीच एक टकरार की स्थिति निर्मित कर दी है, जिसके बाद से तरह-तरह के सवाल उठने लगे हैं मनेंद्रगढ़ में मनेंद्रगढ़ विधायक को वहां की जनता कम पसंद कर रही है पर दूसरे विधानसभा के विधायक को वहां की जनता ज्यादा पसंद कर रही है जबकि उनको ना तो गुलाब कमरों के लिए मतदान करना है और ना ही अपना मतदान उनके विधानसभा में ही करना है उन्हें तो अपना मतदान अपने विधानसभा के विधायक के लिए ही करना होगा, इस समय जिस प्रकार से गुलाब कमरों की नज़दीकियां मनेंद्रगढ़ शहर से बढ़ रही हैं और विनय जायसवाल की दूरियां मनेंद्रगढ़ शहर से बढ़ रही हैं इसे लेकर अब तरह-तरह की बातें होने लगी है, यह भी कहा जा रहा है कि अगला विधानसभा चुनाव मनेंद्रगढ़ से गुलाब कमरों लड़ सकते हैं, जिस प्रकार गुलाब कमरों की मनेंद्रगढ़ शहर से नजदीकियां बढ़ रही हैं और गांव से उनकी दूरियां बढ़ रही हैं ऐसे में जिन गांव वालों ने इन्हें अपना मत देकर विधायक बनाया है क्या उनके इस रवैया से वह अगली बार भी इन्हें विधायक बनाएंगे? शहर पर ज्यादा ध्यान देने की वजह से गांव से इनकी दूरियां बढ़ती जा रही हैं जबकि स्वयं यह एक गांव से ही आते हैं।

क्या अब नेताओं को शहर ही चाहिए गांव नहीं?

भरतपुर सोनहत विधायक का शहर प्रेम खुलकर देखा जा सकता है। विधायक अपना अधिकांश समय शहरी क्षेत्रों में ही व्यतीत कर रहें हैं वहीं ग्रामीण क्षेत्रो का भ्रमण कर वापस आकर भी शहर में ही डेरा जमा रहें हैं। विधायक जी को शहर से इस कदर लगाव हुआ है कि उन्हें आये दिन शहर में ही देखा जाता है और अपेक्षाकृत गांवों की तरफ जाते कम ही देखा जाता है।

आखिर मनेंद्रगढ़ शहर से गुलाब कमरों की नज़दीकियां क्यों बढ़ रही है?

मनेंद्रगढ़ शहर से भरतपुर सोनहत विधायक की नजदीकियां क्यों बढ़ रहीं हैं इसका कोई ठोस कारण तो समझ में नही आ रहा है लेकिन शहर की चकाचौंध और जगमगाती जिंदगी का मोह कहना सही होगा जिसके कारण विधायक ग्रामीण क्षेत्र छोड़कर शहर में अपना समय व्यतीत कर रहे हैं। सुविधा और हर जरूरत एक आवाज में शहर में ही पूरी हो सकती है और यही वजह है जो विधायक जी सुविधा और जरूरत की ओर ध्यान दे रहें हैं ग्रामीण क्षेत्र से परहेज कर रहें हैं जो देखा जा रहा है।

क्या सच में मनेंद्रगढ़ विधानसभा से चुनाव लड़ सकते हैं गुलाब कमरों?

भरतपुर सोनहत विधायक गुलाब कमरों का मनेंद्रगढ़ शहर से प्रेम लगातार देखा जा रहा है और अब उनका प्रेम ज्यादा ही खुलकर सामने आ रहा है जिसमें यह देखने को मिल रहा है कि गुलाब कमरों शहर में इतना ज्यादा समय दे पा रहें हैं कि खुद शहर के विधायक की लोकप्रियता प्रभावित हो चुकी है और अब उनकी स्वीकार्यता पर भी सवाल उठने लगा है। मनेंद्रगढ़ विधायक से ज्यादा लोकप्रिय हो चुके भरतपुर सोनहत विधायक मनेंद्रगढ़ विधानसभा सीट से आगामी चुनाव लड़ सकते हैं यह भी अंदाजा लगाया जा रहा है। अब अंदाजा कितना सही है यह तो नहीं कहा जा सकता लेकिन इतना जरूर है कि गुलाब कमरों मनेंद्रगढ़ विधानसभा से भी दावेदार बन सकते हैं।

क्या शहर प्रेम के कारण भरतपुर सोनहत विधायक डुबायेंगे मनेंद्रगढ़ विधायक की लुटिया या कही खुद की लुटिया न डूबा लें?

भरतपुर सोनहत विधायक का शहर प्रेम इस कदर हावी हो चुका है कि वह मनेंद्रगढ़ में ही ज्यादा समय गुजार रहें हैं। उनके मनेंद्रगढ़ से प्रेम की वजह से और बराबर दखल की वजह से शहर विधायक की लोकप्रियता लगातार मनेंद्रगढ़ में घट रही है और यह तय नजर आने लगा है कि यदि इसी रफ्तार से लोकप्रियता घटती रही तो जरूर मनेंद्रगढ़ विधायक की चुनाव में लुटिया डूब सकती है और वह चुनाव में बुरे परिणाम हासिल कर सकते हैं। मनेंद्रगढ़ में भरतपुर सोनहत विधायक की बराबर उपस्थिति से यह भी लग रहा है कि स्वयं भरतपुर सोनहत विधायक को अपने क्षेत्र में इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है क्योंकि उनका अपने ही क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र से लगातार दूरी बढ़ रही है जो देखी भी जा रही है। भरतपुर सोनहत विधानसभा की भौगोलिक परिस्थितियों पर यदि नजर डाली जाए तो यह विधानसभा चुनावों के हिसाब से अलग ही विधानसभा चुनाव क्षेत्र है और यहां अधिकांश क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र है और कुछ आज भी दुर्गम पहुँच वाले क्षेत्र हैं। अब ऐसे में केवल शहर की ही रोशनी में अपने आपको दमकाने की चाहत भरतपुर सोनहत विधायक को अपने ही विधानसभा से हांथ धोने का कारण न बन जाये वहीं मनेंद्रगढ़ विधायक की लोकप्रियता घटाकर उनके लिए भी मुसीबत वाली बात न हो जाये।

कलेक्टर ध्रुव ने गांवों का दौरा कर विकास एवं निर्माण कार्यों का लिया जायजा

» कटकोना में 14 लाख रूपए के लागत से बने तालाब से सिंचाई कर सब्जी की खेती कर रहे किसान

» महिला समूहों को गौठान की रिक्त भूमि पर सब्जी की खेती की सलाह

- संवाददाता -
मनेंद्रगढ़ 2 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर पी.एस. ध्रुव ने शनिवार को मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवा विकास खण्ड के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर निर्माण एवं विकास कार्यों का जायजा लिया। कलेक्टर ने ग्राम कटकोना में 14 लाख की लागत से निर्मित तालाब में जल भराव तथा पानी निकासी के लिए निर्माणाधीन नाली का निरीक्षण किया और बरसात की दिनों में नाली में पानी के तेज बहाव को ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण उच्च गुणवत्ता का कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान कार्यरत श्रमिकों से नाली के निर्माण में प्रयुक्त सीमेंट और रेत की मात्रा सहित अन्य सामग्रियों के बारे में पूछताछ की। सरपंच श्रीमती भुनेश्वरी मरकाम ने बताया कि पिछले जून माह में 12 लाख की लागत से तालाब निर्माण कर इसमे पिचिंग कार्य कराया गया है। तालाब में मछली पालन के लिए तालाब के आस-पास रहने वाले परिवारों की एक समिति बनाकर मछली पालन किया जा रहा है। वर्षा काल में तालाब का पानी ओवर प्लो होने की दशा में नाली के मुहाने

पर लोहे की जाली लगवाई जा रही है, जिससे तालाब की मछली बाहर न जा सके। कलेक्टर ने सरपंच से रोजगार गारन्टी योजना के तहत कराये जा रहे कार्यों के सबंध में भी जानकारी ली।

कलेक्टर ने इसके पश्चात तालाब के समीप कृषक श्री गुलाब के खते में पहुंचकर उसके द्वारा की जा रही सब्जी की खेती का अवलोकन किया। कृषक श्री गुलाब ने बताया कि नवनिर्मित तालाब से सिंचाई के लिए पानी लेकर वह अपने एक एकड़ भूमि में टमाटर, गोभी, मटर, आलू की खेती कर रहा है। इस सीजन अब तक 50 हजार का टमाटर, 12 हजार रूपए की गोभी बाजार में बेच चुका है। शासन द्वारा यहा पर तालाब निर्माण कराने से हमें फायदा हो रहा है। तालाब के आस-पास के कृषक भी तालाब से पानी लेकर सब्जी की खेती करने उत्साहित है। कलेक्टर ने कृषक गुलाब एवं अन्य उपस्थित कृषको से कहा कि इस क्षेत्र की भूमि सब्जी उत्पादान के लिए उपयुक्त है। सब्जी उत्पादन से फायदा होगा। कलेक्टर ने सब्जी उत्पादन के साथ लघु धान्य फसल कोदो, कुटकी, रागी की खेती के लिए कृषको को प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने कहा कि खड़गवॉ विकास खण्ड मे इस वर्ष 500 एकड़ भूमि मे कोदो, कुटकी, रागी की फसल बोने का लक्ष्य है ज्यादा से ज्यादा कृषक ये फसल ले और समर्थन मूल्य में वन धन समिति मे अपनी उपज का विक्रय करें।

ग्राम पंचायत पैनारी के सरपंच द्वारा गोठान के रास्ते में नाला पर रपटा सह पुलिया का निर्माण कराने की मांग

कलेक्टर श्री ध्रुव ने इस दौरान मेन्ड्रा गोठान का भी निरीक्षण किया। गोठान से जुड़े महिला समूहों को चारागाह के लिए सुरक्षित भूमि पर सब्जी की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया। ग्राम पंचायत पैनारी के सरपंच द्वारा गोठान के रास्ते में नाला पर रपटा सह पुलिया का निर्माण कराने की मांग की गई। कलेक्टर ने सी.ई.ओ श्री राजेश सेंगर एवं तकनीकी सहायक को मौका मुआयना कर प्राक्कलन तैयार कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गोठान में लगे हैण्डपम्प के पानी के लिए निकासी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पैनारी के कृषक स्वरूप सिंह, शिवनारायण जो कुर्थी की फसल की खेती करते है, उन्हे ढाड़ किस्म की भूमि पर कोदो की फसल लेने तथा गोठान समूह द्वारा निर्मित वर्मी कम्पोस्ट खाद का उपयोग करने की सलाह दी।

लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत से करे पढ़ाई

कलेक्टर श्री ध्रुव इसके पश्चात सीमावर्ती गांव नेवरी की प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने बच्चों से उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में पूछताछ की। कक्षा पांचवी के छात्र अंकित ने कलेक्टर को बताया कि वह सैनिक बनना चाहता है। कलेक्टर ने इस पर सभी छात्र-छात्राओं को अंकित जैसा अपना लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत बोडेमुडा शिविर का किया निरीक्षण

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत बोडेमुडा में विभिन्न समस्याओं के लिए लगाये गए शिविर का निरीक्षण किया। शिविर में वन अधिकार पट्टे के 24 आवेदन, पेंशन के 06, राशन कार्ड के 07 आवेदन पत्रों का परीक्षण कराकर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने उपस्थित ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओ की जानकारी दी। कलेक्टर को ग्राम वासियो ने बताया कि नवीन तालाब का निर्माण कराया जा रहा है जिसमे 600 से अधिक लोग काम कर रहे है ग्राम वासियो ने कलेक्टर से गांव में एक और नए तालाब का निर्माण कराए जाने की मांग की। कलेक्टर ने सी.ई.ओ जनपद पंचायत को इसके लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

एमसीबी कलेक्टर श्री ध्रुव ने सड़क निर्माण में अमानक गिट्टी के उपयोग के मामले में की कार्रवाई' के निर्देश

» ठेकेदार ने कलेक्टर के निर्देश के बाद भी उस घटिया गिट्टी जिसे कलेक्टर कोरिया ने हटाने का निर्देश दिया था उसी गिट्टी से सडक निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया गया

» इस ठेकेदार पर एमसीबी कलेक्टर के द्वारा निरीक्षण के बाद सडक निर्माण कार्य में घटिया गिट्टी से सडक निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग को जाच के आदेश

» कया इस तरह के सडक निर्माण कार्य पर एमसीबी कलेक्टर कार्य वाही करेंगे जिससे क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता से निमित्त हो सके?

- रवि सिंह -
मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी, 02 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

भरतपुर जिले खडगवा विकास खंड मे गुड़घेला नाला से सिंद्यत तक निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता की जांच शुरू कर दी गई है। इस निर्माणाधीन सड़क के डामरी करण कार्य में अमानक गिट्टी का मामला कलेक्टर पी.एस. ध्रुव ने स्वयं मौका मुआयना के दौरान पकड़ा था।

कलेक्टर ने सड़क निर्माण में अमानक गिट्टी के उपयोग पर तत्काल रोक लगाने के साथ इस मामले की जांच के निर्देश लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए थे। एमसीबी कलेक्टर ने हाट मिक्स प्लांट में भण्डारण एवं कंटेनर में भरी गई गिट्टी को भी प्लांट से हटवाये जाने का निर्देश दिया गया था।

गौरतलब है कि एमसीबी जिले में ग्रामीण सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्य पर कलेक्टर पी.एस. ध्रुव स्वयं निगरानी रख रहे हैं। सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता को देखने के लिए वह लगातार विभिन्न अंचलों का दौरा कर निर्माणाधीन सड़कों की लेयरों की मोटाई, उसमें प्रयुक्त मटेरियल की गुणवत्ता और सड़क की चौड़ाई आदि की जांच भी मौके पर तकनीकी अधिकारियों से करा रहे हैं। 24 दिसंबर को कलेक्टर ने खड़गवां विकासखंड में गुड़घेला नाला से सिंद्यत, दुग्गी से खड़गवां सड़क निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने गुड़घेला नाला से सिंद्यत सड़क डामरीकरण कार्य के निरीक्षण के दौरान वहां बिछायी जा रही 19 एम.एम. डामर मिक्स गिट्टी का कुछ पार्ट्स रोलर चलाने से टूटने का मामला सामने आने पर इस गिट्टी के उपयोग पर तत्काल रोक लगाये जाने और सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग को दिए थे। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत मंझौली मे स्थित हॉट मिक्स प्लांट पहुंचे और वहां तैयार किए जा रहे डामरयुक्त गिट्टी का मुआयना किया। कलेक्टर ने गिट्टी की क्वालिटी अमानक पाये जाने पर प्लांट में रखी गिट्टी को तत्काल वहां से हटवाये जाने के निर्देश दिए थे।

गुड़घेला नाला से सिंद्यत सड़क का निर्माण एवं डामरीकरण 3 करोड़ 12 लाख रूपए की लागत से किया जा रहा है। इस सड़क की लंबाई 3.1 किलोमीटर है।3.12 करोड़ रूपए की लागत से गुड़घेला नाला से सिंद्यत सड़क, 5.95 करोड़ रूपए की लागत से दुग्गी से खड़गवां, 2.58 करोड़ रूपए की लागत से सडक निर्माण कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर के निर्देश का सडक निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार ने नहीं किया पालन बना दिया गुणवत्ता विहीन सडक

जब एमसीबी के कलेक्टर ने गुडघेला नाला से सिंघत पहुंच सडक के निर्माण कार्य के निरीक्षण मे पाया कि गुणवत्ता विहीन सडक का निर्माण कार्य किया जा रहा है और उसके बाद सडक पर गुणवत्ता विहीन गिट्टी के उपयोग पर मझौली ग्राम पंचायत में हाट मिक्स प्लांट में तत्काल डामरयुक्त गिट्टी को हटाने एवं गुणवत्ता विहीन निर्माण को रोकने के निर्देश लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए थे उसके बाद भी उसी गिट्टी से ठेकेदार ने सडक का निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के आखों के समाने जबकि इस गुणवत्ता विहीन गिट्टी से इस ठेकेदार ने सडक पर बिताई गई गिट्टी का सडक का निर्माण कार्य किया गया है।

इस करोड़ों की लागत की निमित सडक ठेकेदार के हटधर्मिता की शिकार हो गई और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मूकदर्शक बने देखते रहे अब देखना है कि कलेक्टर महोदय इस गुणवत्ता विहीन सडक निर्माण कार्य पर कया कार्य वाही होती है?

कोरबा पुलिस को पिछले वर्ष की तुलना वर्ष 2022 में विभिन्न अपराधों में कमी लाने में मिली सफलता

- संवाददाता -
कोरबा , 02 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा जिले की आपराधिक मामलों की विस्तृत जानकारी एवं लेखाजोखा को साझा करते हुए बताया गया के पिछले वर्ष 2021 की तुलना में 2022 में आपराधिक मामले जैसे हत्या का प्रयास, डकैती /लूट, योन उत्पीड़न के मामलों में कमी आयी हैं , वहीँ अन्य आपराधिक मामलों को मिलढुकर पिछले वर्षों से इस वर्ष 0.98 प्रतिसत की वृद्धि हुयी है ढ्ढ वहीँ अबकारी अधिनियम के अंतर्गत की गयी कार्यवाही में पिछले वर्ष के अनुपात वर्ष 2022 में कुल जब्ती एवं कुल प्रकरण के मामले अधिक दर्ज किये गए हैं ढ्ढ अवैध शराब विरुद्ध कार्यवाही में पिछले छह माह में अभियान दौरान जुलाई से दिसंबर 2022 के बीच 2008 प्रकरणों में 2071 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें गैर जमानतीय प्रकरणों में 205 लोग जेल भेजे गए, साथ ही 4794 लीटर अवैध शराब जप्त की गई। वर्ष 2022 में कुल 2711 व्यक्तियों पर कार्यवाही हुई , जो साल 2021 की साल की तुलना में दुगुना है। कोटपा एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए 475 प्रकरण दर्ज किये गए, जो की पिछले दो साल से शून्य दर्ज था ढ्ढ नशे में ड्राइविंग करने वालों 575 लोगों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत न्यूनतम दस हजार का जुर्माने की कार्यवाही की गई और 910 लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण करवाया गया जो 2021 की तुलना में दो गुना हुआ है। पुलिस कप्तान ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2022 मे जिले के सभी चौकी थाना के पेंडिंग आपराधिक मामलों में कमी लाई गयी है जो की पिछले दो वर्ष 2020 और 2021 में 12 त्न था को काम कर 8.50त्न तक लाया गया है और जल्द इसे और कम कर लिया जाएगा ढ्ढ इस दौरान पुलिस कप्तान संतोष सिंह ने सभी मौजूद पत्रकार एवं पुलिस अधिकारियों को नववर्ष 2023 की शुभकामनाएं देते हुए कहा के नशा समाज के लिए एक अभिशाप है और नशा से समाज को निजात दिलाना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए ढ्ढ माह जुलाई 2022 से अब तक ड्रग्स, नारकोटिक्स व अवैध नशे के खिलाफ कार्यवाही और जागरूकता अभियान, निजात अभियान के तहत पुलिस द्वारा ताबड़तोड़ कार्यवाहियां की गई। अभियान के तहत पूरे जिले में नशे विरुद्ध 675 से ज्यादा जन-जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं । यह निजात अभियान आने वाले दिनों में लगातार जारी रहेगा ढ्ढ इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं जिले के समस्त पुलिस अधिकारी एवं समस्त जिले के पत्रकार मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह पूर्व तैयारी हेतु बैठक आज

अम्बिकापुर , 02 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

अपर कलेक्टर श्री ए.एल. ध्रुव ने बताया है कि गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन की पूर्व तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित की जा रही है। यह बैठक 3 जनवरी 2023 को अपराह्न 3:00 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में होगी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्री कुंदन कुमार करेंगे। सभी विभाग के जिला अधिकारियों को बैठक में निर्धारित समय पर उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

राजस्व मंत्री ने 02 करोड़ 06 लाख रुपए के विकास कार्यो की दी सौगात,खरमोरा से दादर चौक तक बनेगी बीटी सडक़

- संवाददाता -
कोरबा , 02 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 31 को 02 करोड़ 06 लाख रुपए के विकास कार्यो की सौगात मिली । राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने विकास कार्यो का भूमिपूजन किया और कार्यो का शुभारंभ कराया। विकास कार्यों के तहत बीटी रोड का निर्माण, सामुदायिक भवन व पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य भी शामिल हैं। भूमिपूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर राजकिशोर प्रसाद ने की। विशिष्ट अतिथि निगम के सभापति श्यामसुंदर सोनी, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, एमआईसी सदस्य, पार्षद व एल्डरमैन रहे। वार्ड क्रमांक

31 खरमोरा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से दादर चौक तक 01 करोड 86 लाख की लागत से बीटी रोड का निर्माण कार्य कराया जाना हैं। इसी वार्ड में ही कुम्हार मोहल्ला दादर खुर्द में राजस्व मंत्री के विधायक मद से 13 लाख 9 हजार की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य और तालाब से मुक्तिधाम तक 07 लाख 34 हजार की लागत से पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हुआ है। इन्हीं कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इस मौके पर एमआईसी सदस्य संतोष राठौर,पालूराम साहू,पार्षद अनिता यादव,एल्डरमैन आरिफ खान,कांग्रेस उपाध्यक्ष ठाकुर अवधेश सिंह,पूर्व पार्षद सुकुंदी राम यादव,अरुण यादव,निगम के कार्यपालन अभियंता आरके माहेश्वरी,सहायक अभियंता प्रकाश चन्द्रा,राहुल मिश्रा,गोयल सिंह विमल,बिसाहू कुम्हार,संतोष थवाईत,मंगलू यादव,हरिराम पटेल,राजकुमार प्रजापति,उत्तरा देवी कुम्भकार समेत अन्य मौजूद रहे।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2019-20

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि छ0ग0 शासन, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मंत्रायल महानदी भवन, अटल नगर, नया रायपुर के पत्र क्रमांक एफ-5-19-2019 नया रायपुर अटल नगर दिनांक 01.10.2019 के निदेशानुसार राज्य शासन द्वारा प्रदेश के समस्त शहरी आवासीय निर्धन व्यक्ति के लिए स्थाई व्यवस्था हेतु पूर्व में लागू की गई राजीव गांधी आश्रम योजना की अवधि को बढ़ाकर दिनांक 01/11/2018 को निर्धारित किया गया है। योजनांतर्गत समस्त नगरपालिका निगम, नगरपालिका परिषद् एवं नगर पंचायतों में दिनांक 19/11/2018 से पूर्व निवासरत झुग्गीवासियों को जिनके पास आवास का स्थाई पटटा नहीं है, स्थाई पट्टा दिया जाना है। अम्बिकापुर नगर निगम अम्बिकापुर मोहल्ला-सत्तीपारा अम्बिकापुर स्थित शासकीय नजूल भूमि खसरा क्रमांक 644/1 में से एवं 651/6 में से रकबा 27.88 एवं 13.60 वर्गमीटर कुल रकबा 41.48 वर्गमीटर भूमि में आवेदिका अनिता सोनी पति रामस्वरूप सोनी का आवासीय मकान निर्मित है। जिस कारण आवेदिका को उक्त भूमि का राजीव आश्रम योजना अंतर्गत पट्टा प्रदान किये जाने की कार्यवाही विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/ आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/01/2023 के पूर्व इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/12/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202212021200011

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व

सनः- 2022-2023

अम्बिकापुर प.ह.न. 00015[381/1 (वार्ड क्र. 35 शीट-02)(84.63 हे0)]

पक्षकारों का विवरण-

आवेदक पक्षकार-रफीउद्दीन सिद्दीकी,

अनावेदक पक्षकार- सलमा उर्फ गुड्डा,

ईश्तहार

आवेदक रफीउद्दीन सिद्दीकी आ0 समसुद्दीन सिद्दीकी, उम्र-51 वर्ष, जाति-मनिहार (मुसलमान), निवासी-रसुलपुर, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि अनावेदक/विक्रेता-सलमा उर्फ गुड्डा आ0 स्व0 नाजिम रसूल पत्नी जिलानी, उम्र-50 वर्ष, जाति-मुसलमान, निवासी-रसुलपुर, नगर-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व व हक की शीट क्रमांक-02, मोहल्ला-खुटेनपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 380/1,381/1, रकबा 108.9,84.63 वर्गफीट भूमि है। उक्त नजूल प्लॉट नजूल प्लॉट 380/1,381/1, रकबा 108.9,84.63 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 23.11.2022 के द्वारा अनावेदक / विक्रेता-सलमा उर्फ गुड्डा आ0 स्व0 नाजिम रसूल पत्नी जिलानी, उम्र-50 वर्ष जाति-मुसलमान, निवासी-रसुलपुर, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 से मेरे द्वारा क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 23.11.2022 के आधार पर अपने नाम नामान्तरण किये जाने बावत् आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक -13/01/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/12/2022 को जारी किया जाता है।

सील

Tek Chand Agrawal
नजूल अधिकारी
सरगुजा (अम्बिकापुर)

नए साल में नई ऊर्जा और मजबूती के साथ करें कर्तव्य निर्वहन-कलेक्टर

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 02 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नववर्ष के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टोरेट के अधिकारी-कर्मचारियों ने नव वर्ष की शुभकामनाएं देने के साथ ही अपने विचार भी साझा किए।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने कहा कि नए वर्ष में सभी नई ऊर्जा, ईमानदारी, लगन और मजबूती के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन में लग जाएं। राज्य शासन की मंशानुसार योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं को दूर करने का पहल हो। उन्होंने कहा कि काम के साथ अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी है। नियमित व्यायाम, योग को दिनचर्या में शामिल करें। महिलाओं को और अधिक सजग रहने की जरूरत है क्योंकि उन्हें कार्यालय के साथ घर को भी संभालना रहता है। जिले के अधिकारी एक अच्छी टीम के साथ के काम कर रहे हैं। आगे भी अच्छा करने की कोशिश करें। जिला पंचायत के सीईओ श्री विश्वदीप ने कहा कि जिले में एक टीम भावना के साथ काम हो रहा है। सभी ईमानदारी व निष्ठा से काम करते हुए शासन की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में सहायक बनें।

कलेक्टर ने अधिकारी-कर्मचारियों को दी नववर्ष की शुभकामनाएं...

बाबर,स्टोक्स,रजा और साउदी ने आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए हुए नामांकित

नई दिल्ली 02 जनवरी 2023। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम, इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, जिम्बाब्वे के आफ स्पिन आलराउंडर सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी को आईसीसी क्रिकेटर आफ द ईयर 2022 पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। स्टोक्स ने 2019 में सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी जीती, और अब उन्हें दूसरी बार सम्मान के लिए नामांकित किया गया है। उन्हें टेस्ट प्लेयर आफ द ईयर अवार्ड के लिए भी नामांकित किया गया है।

इससे पहले, रजा ने 2022 के लिए आईसीसी टी20 और वनडे प्लेयर आफ द ईयर के लिए नामांकन अर्जित किया था, जबकि बाबर ने 2022 के लिए वर्ष के सर्वश्रेष्ठ 50 ओवरों के खिलाड़ी के लिए नामांकन हासिल किया था।

एशेज और वेस्ट इंडीज के खिलाफ श्रृंखला में अपमानजनक हार के बाद इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट में पतन की ओर था। जो रूट ने टेस्ट कप्तान के रूप में इस्तीफा दे दिया और बागडोर स्टोक्स और रेड-बॉल कोच ब्रेंडन मैकुलम को सौंप दी गई।

तब से, स्टोक्स ने कप्तान के रूप में 10 में से नौ टेस्ट जीतकर इंग्लैंड को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। साथ ही, उन्होंने 870 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं और 26 विकेट लिए हैं।

वास्तव में, उन्होंने अन्य प्रारूपों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। टी20 में, नौ मैचों में 143 रन बनाए और सात विकेट लिए। संख्या महत्वपूर्ण नहीं लग सकती है, लेकिन उनमें से 52 रन तब आए, जब पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में पीछा करने के दौरान इंग्लैंड को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। 2022 बाबर के रिकॉर्ड बनाने और तोड़ने का एक और साल था। वह सभी प्रारूपों में कैलेंडर वर्ष में 2000 रन के आंकड़े को पार करने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे, उनके 2598 रन 54.12 के औसत से आए, जिसमें आठ शतक और 17 अर्धशतक शामिल थे।

2021 आईसीसी वनडे प्लेयर आफ द ईयर ने 50 ओवर के प्रारूप में शासन करना जारी रखा, नौ मैचों में 679 रन बनाए। उन्होंने उन आठ पारियों में 50 या उससे अधिक के स्कोर दर्ज किए।

साउदी न्यूजीलैंड के बेहतरीन गेंदबाजों में से थे, क्योंकि उन्होंने 65 विकेट के साथ समाप्त किया, जो एक कैलेंडर वर्ष में एक कीवी द्वारा उच्चतम प्रदर्शन था। एक साल में जहां न्यूजीलैंड टेस्ट में एक टीम के रूप में अपने सर्वश्रेष्ठ से बहुत दूर था, जहां उन्होंने एक भी श्रृंखला जीत के बिना समाप्त किया। साउदी आठ मैचों में 28 विकेट लेकर अपने देश के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे

एस्टन विला ने मेजबान टोटेनहम हॉटस्पर को 2-0 से हराया

लंदन 02 जनवरी 2023। एस्टन विला ने मेजबान टोटेनहम हॉटस्पर को प्रीमियर लीग मुकाबले में रविवार को 2-0 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही एस्टन विला अब 21 अंकों के साथ अंक तालिका में 12वें स्थान पर है। उसने 17 में से छह मैच जीते, आठ हारे और तीन ड्रॉ रहे। सात मैचों में चौथी हार का सामना करने वाली हॉटस्पर 30 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। उसने अपने 17 में से नौ मैच जीते हैं। उसे पांच में हार मिली है और तीन मैच ड्रॉ रहे हैं।

इस मैच का पहला हाफ नीरस रहा। दोनों टीमें ने डिफेंसिव रुख अपनाया और पहले हाफ गोलरहित समाप्त हुआ। मैच के 50वें मिनट में एमिलियानो बुर्एंडिया ने गोलकीपर ह्यूगो लोरिस की गलती का पूरा फायदा उठाते हुए बेहतरीन गोल किया और एस्टन विला को 1-0 से आगे कर दिया। विला के लिए डगलस लुइज़ ने 73वें मिनट में गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया और यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

टोटेनहम की टीम बुधवार को क्रिस्टल पैलेस से खेलेगी, जबकि विला का सामना उसी दिन वॉल्वरहैम्प्टन से होगा।।

इरफान पठान ने हार्दिक को टी-20आई में भारत की स्थायी कप्तानी देने को लेकर चयनकर्ताओं को चेताया

मुंबई 02 जनवरी 2023। श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज में हार्दिक पांड्या भारत की अगुवाई करेंगे और हालिया सीरीज में उनकी कप्तानी को लेकर चर्चा है कि उन्हें स्थायी तौर पर भारत की कप्तानी दी जानी चाहिए। पांड्या ने पीठ की चोट के कारण कई महीने बाहर बिताने के बाद आईपीएल 2022 में शानदार वापसी की। उन्होंने गुजरात टाइटन्स को आईपीएल 2022 का खिताब दिलाकर एक कप्तान के रूप में अपना कौशल दिखाया और रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में टी20आई श्रृंखला में मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-0 से जीत में भारत का नेतृत्व भी किया।

ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप जीतने में कप्तान के रूप में रोहित की विफलता और 2022 में हार्दिक की सफलता ने स्टार-ऑलराउंडर को टी-20 की कप्तानी स्थायी आधार पर देने की मांग उठाई है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और लोकेश राहुल की टी-20 टीम से गैरमौजूदगी के साथ श्रीलंका के खिलाफ आगामी श्रृंखला में आलराउंडर और फिनिशर के रूप में पांड्या की भी परीक्षा होगी।

लेकिन पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने चयनकर्ताओं को चेतावनी दी है कि पांड्या को कप्तानी देते समय गुजरात टाइटन्स के कप्तान की फिटनेस पर पैनी नजर रखें। पठान ने स्टार स्पोर्ट्स पर एक बातचीत के दौरान कहा, हार्दिक ने कप्तानी की है, चाहे वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए हो या भारत के लिए शुरुआत में, मुझे लगा कि यह बेहद अच्छा था। वह बहुत फुर्तीले दिखे।

उन्होंने कहा, जब उनकी कप्तानी की बात हो रही थी तो मैं उनकी कार्यशैली से काफी प्रभावित था, लेकिन साथ ही भारत को यह ध्यान रखना होगा कि अगर आप उन्हें लंबे समय तक कप्तान बना रहे हैं तो उन्हें अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान देना होगा, चाहे आप उनकी बात करें या टीम मैनेजमेंट की। आगे बढ़ना बहुत महत्वपूर्ण होगा।

पठान ने कहा, उनकी पीठ की समस्या उन्हें फिर से परेशान कर सकती है, ऐसा लगता है कि हार्दिक पांड्या पर बहुत अधिक दबाव डालते समय भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को बहुत सावधान रहना होगा।

एडिलेड इंटरनेशनल,नोस्कोवा ने कसात्किना को हराया

एडिलेड 02 जनवरी 2023। चेक युवा लिंडा नोस्कोवा ने पहली बार शीर्ष-10 टेनिस खिलाड़ी को अपना शिकार बनाया, जब सोमवार को एडिलेड इंटरनेशनल में डारिया कसात्किना को पहले दौर में मात दी। एडिलेड्इंटरनेशनल डॉट कॉम डॉट एयू की रिपोर्ट के अनुसार, 18 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी ने उन्हें 6-3, 6-7 (2), 6-3 से हराया। हाल ही में अगस्त तक दुनिया में नंबर 87 रैंकिंग पर आने के बाद, नोस्कोवा 2022 में एक ब्रेकआउट बनाने पर आमादा थी, जिसमें उन्होंने रोलां गैरो और फ्लशिंग मीडोज में अपने पहले दो ग्रैंड स्लैम मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया और टूर-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई।

नोस्कोवा ने कहा, यह काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा है लेकिन मुझे लगता है कि यह वास्तव में अच्छा सीजन था। मैंने लगभग 300 रैंकिंग के आसपास शुरू किया और अब में शीर्ष-100 के अंदर आ चुकी हूं।÷ निश्चित रूप से मुझे (शीर्ष) 100 में वापस आने के लिए इसमें थोड़ा सुधार करने की जरूरत है लेकिन उम्मीद है कि मैं इस साल इसे हासिल कर लूंगी। पिछले साल यूएस ओपन में, नोस्कोवा ने हमवतन लूसी हर्डेका के साथ मिलकर वीनस और सेरेना विलियम्स को हराया था, जो संभवत= 14 बार के ग्रैंड स्लैम युगल चैंपियन का एक साथ आखिरी मैच था। नोस्कोवा ने अपने 2022 हाइलाइट्स के बारे में कहा, प्राग ओपन मेरे लिए वास्तव में एक सफल टूर्नामेंट था, लेकिन एक टूर्नामेंट के अनुभव के रूप में मैं निश्चित रूप से यूएस ओपन कहूंगी। मैंने क्वालीफाई किया, पहला मैच खेला, जो अच्छा भी था, और फिर डबल्स खेला।

बीसीसीआई ने तीनों फॉर्मेट में 2022 के सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ियों के नाम जारी किए

नई दिल्ली 02 जनवरी 2023। साल 2022 के आखिरी दिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन खिलाड़ियों के नाम जारी किए, जो इस साल खेल के तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी थे। बीसीसीआई के अनुसार, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए शीर्ष प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी थे। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, वर्ष 2022 के लिए टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया के लिएटॉप परफॉर्मर्स पर एक नजर- ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह 93।

पंत ने सात मैचों में 61.81 की औसत से 680 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 146 रन रहा जबकि बुमराह ने पांच मैचों में 22 विकेट लिए।

वनडे प्रारूप में श्रेयस अय्यर को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज जबकि मोहम्मद सिराज को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज घोषित किया गया। अय्यर ने 17 मैचों में नाबाद 113 के उच्चतम स्कोर के साथ 724 रन बनाए, जबकि सिराज ने 50 ओवर के प्रारूप में 15 मैचों में 24 विकेट लिए।

इस बीच, सूर्यकुमार यादव को टी-20 विश्व कप के साथ-साथ विभिन्न द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में शानदार प्रदर्शन के साथ टी-20 प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित किया गया और भुवनेश्वर कुमार को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज करार दिया गया। सूर्यकुमार ने 31 मैचों में 117 के उच्चतम स्कोर के साथ 1164 रन बनाए जबकि भुवनेश्वर ने 32 मैचों में 37 विकेट लिए। भारतीय क्रिकेट टीम 2023 की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज के साथ करेगी, जिसमें 3 जनवरी से तीन टी20 और इतने ही वनडे मैच होंगे।

शेफाली जरीवाला ने रेड ड्रेस पहनकर दिखाईं कातिलाना अदाएं

बिग बॉस फेम शेफाली जरीवाला ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद ही हॉट लुक्स में नजर आ रही हैं। शेफाली जरीवाला का ये लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। एक्ट्रेस ने एक से बढ़कर एक पोज देते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। शेफाली जरीवाला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, एक्ट्रेस हमेशा अपनी तस्वीरों से फैंस को घायल कर देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों

में शेफाली जरीवाला ने रेड कलर की ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी हॉट एंड सेक्सी पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस का हॉटनेस भरा लुक देख कर एक बार फिर से फैंस बेकाबू हो गए हैं। ओपन हेयर, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक करते हैं। शेफाली जरीवाला अपने हर अंदाज से फैंस का दिल जीत लेती हैं।

अमिताभ की ऊंचाई 6 जनवरी को देगी दस्तक

अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और बोमन ईरानी की फिल्म ऊंचाई 11 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से ठीक-ठाक प्रतिक्रिया मिली और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 33.30 करोड़ रुपये का कारोबार ही कर पाई। बहरहाल, सिनेमाघरों में जो दर्शक ऊंचाई को देखने से वंचित रह गए, वह अब इसका मजा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ले सकते हैं। सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित ऊंचाई का डिजिटल प्रीमियर 6 जनवरी, 2023 को जी5 पर होगा।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बड़जात्या ने कहा, उंचाई सात

साल के जुनून और कड़ी मेहनत का फल है। यह फिल्म 6 जनवरी, 2023 से जी5 पर स्ट्रीम होगी। मैं अपने प्रशंसकों से इस फिल्म के साथ नए साल की शुरुआत करने की अपील करता हूं। फिल्म की कहानी तीन दोस्त, अमित (अमिताभ), ओम (अनुपम) और जावेद (बोमन) की है, जो अपने दिवंगत दोस्त भुपेन (डैनी) की अस्थियां लेकर एवरेस्ट बेसकैंप पहुंचना चाहते हैं।

एनिमल' में रणबीर कपूर का पहला 'लुक' जारी

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल की लंबे समय से चर्चा हो रही है। यह फिल्म अगले साल अगस्त में रिलीज होगी। फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें भी लीक हुई थीं। इन तस्वीरों में रणबीर और अनिल कपूर क्लीन शेव लुक में नजर आ रहे थे। अब आखिरकार निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर रणबीर का पहला लुक जारी कर दिया है। तस्वीर में रणबीर कुल्हाड़ी लिए सिगरेट पीते हुए नजर आ रहे हैं।

एनिमल में रणबीर कपूर और अनिल कपूर साथ नजर आएंगे। इनके अलावा फिल्म में बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी महत्वपूर्ण किरदार निभाते दिखेंगे। फिल्म में रश्मिका की जगह पहले परिणीति चोपड़ा को साइन किया गया था। बाद में परिणीति ने इम्तियाज अली की अमर सिंह चमकीला की बायोपिक में काम करने के लिए इस फिल्म को छोड़ दिया था। उन्होंने फिल्म की एक दिन की शूटिंग भी कर ली थी।

विधानसभा में कांग्रेस विधायक ने की वृक्षारोपण के जांच की मांग

रायपुर, 02 जनवरी 2023। कांग्रेस विधायक ने सीमेंट फैक्ट्रियों के द्वारा ग्रीन बेल्ट की स्थापना और पेड़ - पौधों के सूख जाने को लेकर सवाल उठाया। जुनेजा ने न्यूवोको, अल्ट्राटेक ,न्यू विस्टा , अंबुजा, इमामी सीमेंट संयंत्रों के ग्रीन बेल्ट का क्षेत्र और उसमें लगाए गए वृक्षों की जानकारी मांगी।वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि ने सभी फैक्ट्रियों ने आवंटित जगहों पर वृक्ष लगाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आवंटित जमीन पर एक तिहाई से अधिक वृक्ष लगाए गए हैं। जुनेजा ने बताया कि वृक्ष नहीं लगाए गए हैं। और ज्यादातर जगह पर वृक्ष मर गए हैं। इसकी विधायकों की समिति से जांच करायी जानी चाहिए।

विपक्ष की ओर से अजय चंद्राकर, बृजमोहन अग्रवाल ने भी जुनेजा का साथ दिया। अग्रवाल ने कहा कि सीमेंट संयंत्रों के प्रदूषण से राजधानी भी प्रदूषित हो रही है। खेती बर्बाद हो गई है। सदन समिति से जांच करा लें। क्या मंत्री पुनः वृक्ष लगाने निर्देशित करेंगे। स्पीकर महंत ने कहा कि जांच करा सकते हैं। क्योंकि एक तिहाई ही पेड़ लगाए गए हैं। फिर ये ठूंठ है या पेड़। भौतिक

सत्यापन तो करा ही सकते हैं। मंत्री अकबर ने विभागीय स्तर पर सत्यापन कराने की घोषणा की।

विधायकों की समिति से जांच की मांग को लेकर सदन में हंगामा। वन मंत्री ने बताया कि किसी प्रकार की शिकायत नहीं आई है। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि विधायकों ने अभी शिकायत की है इसकी भौतिक सत्यापन कराएं अध्यक्ष डॉ. महंत के निर्देश पर वन मंत्री ने विभागीय तौर पर भौतिक सत्यापन करने का आश्वासन दिया।

आरक्षण विधेयक पर फिर हुई तीखी नोक-झोंक

छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही सत्ता और विपक्ष के बीच आरक्षण विधेयक पर फिर तीखी नोक-झोंक शुरू हो गई. भारी शोरगुल के बीच अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही पाँच मिनट के लिये फिर स्थगित करनी पड़ी. सदन की कार्यवाही 10 मिनट के अंतराल के बाद दोबारा शुरू होते हुए सत्तापक्ष-विपक्ष के विधायक तीखी नोक-झोंक शुरू हो गई. आरक्षण विधेयक पर सदन का माहौल गर्माता देख स्पीकर डॉक्टर चरणदास महंत ने कहा कि राज्यपाल संवैधानिक पद है. राज्यपाल के प्रति अमर्यादित टिप्पणी ना हो, इस बात का ध्यान रखे.

मंत्री शिव डहरिया ने कहा कि अपमान जैसी बात नहीं है. कहीं कोई अपमान नहीं कर रहा है. अधिकार की माँग की जा रही है. मोहन मरकाम ने कहा कि बीजेपी के इशारे पर राज्यपाल काम कर रही हैं. आदिवासियों और पिछड़ों का हक़ छीना जा रहा है. छत्तीसगढ़ की आदिवासियों, पिछड़ों के हक़ के लिए 1-2 दिसंबर को आरक्षण विधेयक इसी सदन में सर्व सम्मति से पारित किया गया था. आज तक इस पर दस्तख़त नहीं किया गया. मंत्री उमेश पटेल, मंत्री अमरजीत भगत और मंत्री शिव डहरिया ने कहा कि बीजेपी आरक्षण विरोधी है. इस पर मचे भारी शोरगुल के बीच सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित कर दी गई.

विधानसभा में वन मंत्री ने बताया, 3 साल में हुई 43 हाथियों की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले तीन साल में 43 हाथियों की मौत हो चुकी है। इसमें 13 हाथियों की मौत करंट से हुई है। वन विभाग द्वारा विधानसभा में दिए गए जवाब में यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। विधायक धर्मजीत सिंह की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने सदन में यह जानकारी दी है। वन विभाग की जानकारी के मुताबिक 2019-20 में 11, 2020-21 में 18 और 2022-23 में 14 हाथियों की जान गई है। बता दें कि जून 2020 में लगातार हाथियों की मौत के बाद राज्य सरकार ने तत्कालीन पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ अतुल शुक्ला को हटा दिया था। इसके बाद भी हालात नहीं बदले। पीसीसीएफ को हटाने के महज तीन महीने बाद सितंबर 2020 में महासमुंद में अवैध शिकार का मामला सामने आया था। करंट से मौत के मामलों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के खिलाफ अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

कुमारी शैलजा कल रायपुर में,जन अधिकार महारैली में लेंगी भाग

रायपुर, 02 जनवरी 2023। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी शैलजा 3 जनवरी मंगलवार को सुबह 9.40 बजे नई दिल्ली से विस्तारा की नियमित विमान सेवा द्वारा विमानतल रायपुर पहुंचकर सर्किट हाउस जायेंगे। दोपहर 12 बजे साइंस कॉलेज मैदान रायपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित जन अधिकार महारैली में भाग लेंगी।

सदन में अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व विधायक स्वर्गीय मंगलराम उसेंडी को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर, 02 जनवरी 2023। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के प्रथम दिवस आज सदन में अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व सदस्य स्वर्गीय श्री मंगलराम उसेंडी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत ने स्वर्गीय मंगलराम उसेंडी के निधन का उल्लेख किया। उन्होंने श्री उसेंडी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्वर्गीय श्री उसेंडी 1990 में कोंडागांव से निर्वाचित हुए थे। सामाजिक कार्यों, वानिकी, खेलों में उनकी रुचि थी। उनके निधन से हमने एक अनुभवी राजनीतिज्ञ को हमेशा के लिए खो दिया। सीएम भूपेश बघेल ने मंगलराम उसेंडी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे आदिवासी समाज के बुजुर्ग आदिवासी नेता थे। उनकी समाजसेवा में रुचि थी। उन्होंने राजनीति को समाजसेवा का माध्यम बनाया। मुख्यमंत्री ने उनके शोकाकुल परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की। नेताप्रतिपक्ष नारायण चंदेल, विधायक मोहन मारकम, बृजमोहन अग्रवाल ने भी सदन में स्वर्गीय उसेंडी को श्रद्धांजलि दी। स्वर्गीय मंगलराम उसेंडी के सम्मान में सदन में मौन रखा गया।

मुख्यमंत्री ने भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर, 02 जनवरी 2023। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भारत की पहली महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारक स्वर्गीय सावित्री बाई फुले की जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री बघेल ने कहा कि नारी मुक्ति की प्रणेता रही सावित्री बाई फुले ने रूढ़ि और परम्पराओं की बेड़ियों को तोड़कर पढ़ने और आगे बढ़ने की राह दिखाई।

उन्होंने महिला शिक्षा के लिए लोगों को न सिर्फ प्रेरित किया बल्कि कई महिलाओं को शिक्षा भी दी। छुआछूत विरोध, स्त्री अधिकारों की लड़ाई एवं शिक्षा के क्षेत्र में श्रीमती फुले का योगदान अविस्मरणीय है। स्त्री अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में किये गए उनके उल्लेखनीय कार्य हमेशा याद किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने माँ कौशल्या मंदिर में सुविधाएं बढ़ाने दिया निर्देश

रायपुर, 02 जनवरी 2023। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने माँ कौशल्या मंदिर में सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए है. चंदखुरी में भक्तों की सुविधाएं और सौंदर्यीकरण का विस्तार किया जाएगा। सड़क चौड़ीकरण, स्ट्रीट लाईट , वाहन पार्किंग की व्यवस्था के निर्देश दिए, साथ ही पेयजल हेतु मंदिर के बाहर और अंदर वाटर फिल्टर लगेंगे। मंदिर की बाउंड्रीवाल को आकर्षक बनाया जाएगा।

बाउंड्रीवाल में रामकथा को आकर्षक तरीके से उकेरा जायेगा। तालाब में समुद्र मंथन और भगवान विष्णु की मूर्ति के सौंदर्यीकरण के निर्देश गए है. मंदिर के प्रवेश द्वार पर भव्य उद्यान विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री बघेल ने आज मुख्य सचिव को निर्देश दिए.

चंदखुरी में है स्थित

यह मंदिर छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर से लगभग 22 किमी से 27 किमी दूर चंदखुरी में स्थित है। यह मंदिर चंदखुरी गांव से घिरी एक झील के बीच में स्थित है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए हनुमान पुल नामक पुल को पार किया जाता है, जिसके ऊपर हनुमान की मूर्ति है।

रायपुर में 24 फरवरी से होगी कांग्रेस की अहम बैठक

रायपुर, 02 जनवरी 2023। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ऑल इंडिया कांग्रेस की होने वाली बैठक की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। दिल्ली में आज कांग्रेस की अहम बैठक में तिथियों का निर्णय लिया गया, इसे लेकर कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फेंस भी ली। कांग्रेस ने यह बैठक फरवरी के अंतिम सप्ताह 24, 25 और 26 फरवरी में आयोजित करने का निर्णय लिया है। ऑल इंडिया कांग्रेस की इस बैठक में कांग्रेस का प्लेनरी सेशन पॉलिटिकल, इकोनॉमिक, इंटरनेशनल अफेयर्स, farmers agriculture, social justice , youth education और रोजगार होगी चर्चा होगी। बैठक में कांग्रेस वर्किंग कमेटी का इलेक्शन भी होना तय किया गया है।

किसानों को स्थाई पंप कनेक्शन नहीं दे पा रही है सरकार:बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर, 02 जनवरी 2023। भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज प्रदेश में कृषि पंपों हेतु अस्थाई को स्थायी कनेक्शन करने का मामला विधानसभा में उठाते हुए मुख्यमंत्री से जानना चाहा कि प्रदेश में वर्ष 2019-20, 20 -21, 21- 22, एवं 22- 23 में नवंबर 2022 तक कुल कितने किसानों को सिंचाई हेतु स्थाई विद्युत कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया था एवं कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं? उक्त वर्षों में कुल कितने विद्युत पंपों का स्थायी किया गया है? अवधि में विद्युत

विभाग के पास वर्षवार कितने स्थाई पंप कनेक्शन हेतु आवेदन लंबित एवं कब तक कनेक्शन प्रदान किया जाएगा? प्रदेश में कितनी अस्थाई कनेक्शन विद्यमान है तथा इन्हें कब तक स्थाई किया जाएगा?

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने उत्तर में बताया कि प्रदेश में इन 4 वर्षों में अस्थाई से स्थाई पम्प कनेक्शन करने के 1 लाख 36 हजार 435 आवेदन प्राप्त हुए, उनके विरुद्ध सिर्फ किसानों के 77 हजार 455 कनेक्शन स्थाई किए गए हैं। अभी भी 58 हजार 633 किसान पंपों के स्थाई करने के, आवेदन देने के बाद भी लंबित है। इन 4 वर्षों में प्रदेश में सिर्फ 70 हजार 482 पंपों को स्थाई करने का लक्ष्य रखा गया था जो प्राप्त आवेदनों से बहुत कम है। प्रदेश में अभी भी 1 लाख 35 हजार 182 अस्थाई पंप कनेक्शन विद्यमान है।

सेवा नहीं देने वाले अनिबंधित चिकित्सकों से बॉण्ड की राशि वसूली की जाएगी

रायपुर, 02 जनवरी 2023। प्रदेश के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में पदस्थ किए गए एम.बी.बी.एस. अनुबंधित चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने अपने पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया है, उनके विरूद्ध बॉण्ड की संपूर्ण राशि की वसूली की कार्यवाही की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विगत 9 नवम्बर 2022 को 212 एम.बी.बी.एस. अनुबंधित चिकित्सा अधिकारियों को अपने पदस्थापना स्थल में पांच दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण करने अंतिम अवसर प्रदान करने के लिए सूचना जारी की गई थी। इसके परिपालन में 212 में से 123 अनुबंधित चिकित्सा अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दे दी है। परंतु 89 अनुबंधित चिकित्सा अधिकारी अभी भी अनुपस्थित हैं। राज्य शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग के छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा (फिजियोथैरेपी) स्नातक प्रवेश नियम के अनुसार बॉण्ड की शर्तों का अनुपालन नहीं करने वाले अनुपस्थित चिकित्सकों के विरूद्ध बॉण्ड की संपूर्ण राशि की वसूली की कार्यवाही भू-राजस्व की बकाया राशि के रूप में की जाएगी। राज्य मेडिकल काउंसिल में एम.बी.बी.एस. स्नातक योग्यता का स्थायी पंजीयन अभ्यर्थी को प्रदान की गई अंतिम डिग्री के आधार पर ही किया जाएगा। डिग्री के लिए अभ्यर्थी को अपने महाविद्यालय के अधिष्ठाता को अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिनकी अनुशंसा पर विश्वविद्यालय द्वारा अंतिम डिग्री प्रदान की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस संबंध में कार्यवाही किए जाने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग के संचालक, मेडिकल कांउसिल के रजिस्ट्रार एवं आयुष युनिवर्सिटी उपरवारा, नया रायपुर के अधिष्ठाता को पत्र लिखा गया है। बॉण्ड की शर्तों का पालन नहीं करने वाले अनुबंधित चिकित्सा अधिकारियो के विरूद्ध वसूली की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

नक्सलियों ने इन्हे बताया गद्दार, जान से मारने की धमकी दी

बीजापुर, 02 जनवरी 2023। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों की मद्देड़ एरिया कमेटी ने पर्चा जारी कर अपने ही साथी माड़वी जोगा सहित पांच लोगों को जान से मारने की धमकी दी है। इस बाबत नक्सलियों की ओर से जारी पर्चे में लिखा है कि, संगठन को

नुकसान पहुंचाने 27 दिसम्बर को बीजापुर एसपी के सामने नक्सली कमांडर माड़वी जोगा ने आत्मर्गपण कर दिया है।

अपने साथी के आत्मसमर्पण से नाराज माओवादियों ने कमांडर माड़वी जोगा को गद्दार कहा है और जान से मारने की धमकी दी है। उल्लेखनीय है कि माओवादियों के मद्देड एरिया कमेटी में माड़वी जोगा सक्रिय रहा। नक्सलियों की मद्देड एरिया कमेटी ने इस बाबत गंगालूर मार्ग पर पर्चे भी चिपकाए गए हैं।

माओवादियों ने पर्चे में लिखा है कि, संगठन को नुकसान पहुंचाने के लिए 27 दिसम्बर को बीजापुर एसपी के सामने नक्सली कमांडर माड़वी जोगा ने आत्मसमर्पण किया है। इसके पहले मद्देड एरिया कमेटी में सक्रिय रहकर समर्पण कर चुके नक्सली कमांडर एंकन्ना, मोटू, मंगेश और हरिराम के नाम भी पर्चे में शामिल हैं।

सोना-चांदी दुकान को उड़ाने की साजिश नाकाम,युवक हिरासत में

भिलाई, 02 जनवरी 2023। शहर के सर्कुलर मार्केट में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब मानव बम की तरह युवक वहां पहुंचा. दरअसल पावरहाउस मार्केट स्थित अभिषेक ज्वेलर्स को उड़ाने सिलेंडर में वायरिंग करके युवक पहुंचा हुआ था. पहुंचते ही युवक ने पहले ग्राहकों को बाहर निकलवाया और फिर सराफा व्यवसायी को दुकान खाली करने की चेतावनी देते हुए दुकान को उड़ाने की धमकी दे दी. इससे पूरे बाजार में अफरातफरी मच गई.

देखते ही देखते मार्केट की भीड़ ज्वेलरी शॉप के बाहर एकत्रित हो गई. जब आरोपी युवक को दुकान से बाहर निकालने की कोशिश की गई तो युवक ने साथ लाई सिरिंज से व्यवसाई पर हमला कर दिया. इसके बाद मार्केट के लोगों ने युवक की जमकर पिटाई की. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सिलेंडर को जब्त कर आरोपी युवक को हिरासत में लेकर थाने लाया.

घटना की जानकारी लगते ही छावनी थाने में परिजन भी पहुंच गए. वहीं सराफा व्यवसायी के साथ थाने में जमकर बहस हुई. बताया जा रहा कि सर्कुलर मार्केट की जिस दुकान में अभिषेक ज्वेलर्स का संचालन हो रहा है उसे संचालक ने किराए पर लिया है. उसकी खरीदी बिक्री में पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद है. मामला कोर्ट में चल रहा है, जिसके चलते दुकान मालिक का परिवार परेशान है. यही वजह थी कि अपने माता-पिता को परेशान देखकर युवक अक्षय ठाकरे सिलेंडर लेकर दुकान खाली करवाने पहुंचा. हालांकि जांच में सिलेंडर के खाली होने की बात सामने आई, वहीं युवक को परिजनों ने मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया.

गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व में शिफ्ट किए गए तीन नील गाय

बिलासपुर, 02 जनवरी 2023। कानन पेंडारी जू में क्षमता से अधिक नील गाय होने के कारण उन्हें अन्य अभयारण्यों में छोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में कोरिया जिले के गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व में तीन नील गाय शिफ्ट किए गए। बेहोशी की दवा बेअसर होने के बाद इन्हें पकड़ने के लिए बोमा तकनीक का प्रयोग किया गया है।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के मापदंडों के विपरीत कानन पेंडारी जू में नील गायों की संख्या अधिक हो चुकी है। पिछले माह 65 चीतलों की शिफ्टिंग अचानकमार टाइगर रिजर्व में कर इनकी संख्या कम की गई है। इसके बाद मांग आने पर तीन नील गाय कोरिया शिफ्ट किए गए हैं।

नील गायों को बेंगलूरु से मंगाई गई दवाएं दी गई थी लेकिन वे बेहोश नहीं हुए। अचानकमार में शिफ्टिंग के दौरान भी यही दिक्कत आई थी। अब इसे बोमा तकनीक का प्रयोग कर पकड़ा गया। इस तकनीक के तहत एक वी आकार का बाड़ा तैयार किया जाता है, जिसके छोर में हरी घास और जाल बिछा दिया जाता है, जो परिवहन के लिए रखे गए वाहन तक पहुंचता है। दक्षिण अफ्रीका में यह तकनीक पहले से काम लाई जाती है। पिछले वर्ष केंद्रीय जू प्राधिकरण ने इसका इस्तेमाल करने की अनुमति भारत में भी दे दी है। हालांकि, बेहोश करके शिफ्टिंग करने में कम समय लगता है, जबकि इस तकनीक में वन्यप्राणी को खदेड़कर बाड़े तक पहुंचाने में समय लगता है।

छत्तीसगढ़ में यहाँ गरमाया धर्मांतरण का मुद्दा,दो गूंटो में जमकर चले पत्थर

लाठी और डंडे,रोकने गए SP का फूटा सिर

नरायणपुर, 02 जनवरी 2023। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है, यहाँ ग्रामणों ने धर्मांतरण को लेकर जोरदार हंगामा किया है। दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद के बीच जमकर पत्थरबाजी और लाठी-डंडे चले इस दौरान नारायणपुर एसपी सदानंद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सदानंद कुमार के सिर पर चोट आई है जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है। सदानंद कुमार

के सर पर टांके भी लगाए गए हैं। फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

इधर हालात को देखते हुए आईजी सुंदर राज पी मौके के लिए रवाना हो गए हैं । उन्होंने बताया कि फिलहाल हालात सामान्य हैं और स्थिति को काबू में कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि वह खुद मौके के लिए रवाना हो रहे हैं। अभी विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक हफ्तेभर पहले नारायणपुर के एरका गांव में ईसाई समुदाय के लोग आए थे। उन्हें गांववालों ने मार कर भगा दिया था। इसके दूसरे दिन गांव में बड़ी संख्या में समाज के लोग आए। उन्होंने गांववालों से मारपीट की। यह मामला कुछ दिन शांत रहा, फिर रविवार को ईसाई समाज के कुछ लोग फिर गांव पहुंचे और धर्मांतरण के लिए दबाव बनाया। जब गांव वालों ने विरोध किया तो उनसे मारपीट की। इसी के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण जुटे थे और चर्च में पथराव कर रहे थे। इस दौरान उन्हें रोकने पहुंचे एसपी पर भी पत्थर लगा और वे घायल हो गए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)